वार्तालाप–1000, तारीख 29.06.10, जोरसिम्बल (नेपाल)
Disc.CD No.1000, dated 29.06.10, Jorsymbol (Nepal)

समयः 00.26–04.20
बाबाः हाँजी।
जिज्ञासुः बाबा, जो द्वापरयुग में, जैसे की सिद्धार्थ गौतम के शरीर में महात्मा बुद्ध की आत्मा प्रवेश करके पार्ट बजाता है द्वापर युग में ...
बाबाः द्वापर युग में आत्मा...?
जिज्ञासुः सिद्धार्थ गौतम के शरीर में महात्मा बुद्ध की आत्मा आकरके प्रवेश करता हैं और बुद्ध धर्म का प्रचार–प्रसार करता हैं।
बाबाः हाँ जी।
जिज्ञासुः उसके बाद में सिद्धार्थ गौतम का शरीर छूटने के बाद वहाँ तो दो आत्माएँ होता हैं। एक आत्मा तो गर्भ में जाता है। और दूसरी आत्मा कहाँ पर जाता है?
बाबाः दूसरी आत्मा भी गर्भ में जाती है। संग के रंग में आके वो भी तामसी बनती हैं।
जिज्ञासुः जो महात्मा बुद्ध का आत्मा होता हैं...
बाबाः जो महात्मा बुद्ध का आत्मा है वो उपर से आती है सतोप्रधान, परमधाम से। परंतु जिसके संग के रंग में आती है वो परमपिता परमात्मा है क्या? एवर प्योर है क्या? या एवर पतित है उस समय का? अरे, द्वापर के आदि में, एकदम आदि में, इब्राहिम उपर से आता है। उस समय की एवर पतित आत्मा कौन है? उस समय का एवर पावन इब्राहिम उपर से नीचे आता है। किसमें आता है? एवर पतित में आवेगा या पावन में आवेगा? पतित में आता है। तो उसके संग कें रंग से उसको नीचे गिरना है या उपर उठना है? वो नीचे गिर जाता है। परमपिता परमात्मा तो एवर प्योर है। इसलिए वो पतित तन में आने के बावजूद भी उसके उपर कोई असर नहीं पड़ता। वो जन्म–मरण के चक्र में नहीं आता। इसी तरह सिद्धार्थ उस समय की सबसे पतित आत्मा सिद्धार्थ। दुनिया की सबसे पतित आत्मा उस समय, सिद्धार्थ, उसमें उस समय की सबसे पावन आत्मा महात्मा बुद्ध प्रवेश करती है। लेकिन एवर प्योर में प्रवेश करती है क्या?

Time: 00.26-04.20
Baba: Yes.
Student: Baba, for example, the soul of Mahatma Buddha enters the body of Siddhartha Gautam in the Copper Age and plays the part…
Baba: The soul in the Copper Age…?
Student: The soul of Mahatma Buddha enters the body of Siddhartha Gautam and spreads the Buddhist religion.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes.
Student: Later, when Siddhartha Gautam has left the body, there are two souls. One soul enters the womb and where does the other soul go?
Baba: The other soul also enters the womb. That [soul] also becomes degraded (*taamasi*) because of coming in the colour of the company.
Student: The soul of Mahatma Buddha…
Baba: The *satopradhaan*[1] soul of Mahatma Buddha comes from above, the Supreme Abode (*Paramdhaam*). But the one with whom it comes in the colour of the company, is he the Supreme Father Supreme Soul? Is he *ever pure*? Or is he the *ever* sinful one of that period? *Arey*, Abraham comes from above in the beginning, in the very beginning of the Copper Age. Who is the ever sinful soul of that period? Abraham, the *ever* pure one of that period comes from above. In whom does he come? Will he come in the *ever* sinful one or will he come in the pure one? He comes in the sinful one. So, will he (Abraham) fall or will he rise high because of coming in the colour of his company? He falls. The Supreme Father Supreme Soul is *ever pure*. So, despite coming in a sinful body, He isn't affected at all. He doesn't come in the cycle of birth and death. It is the same [in the case] of Siddhartha; he is the most sinful soul of that period. Siddhartha is the most sinful soul of that period; the soul of Mahatma Buddha, the purest soul of that period enters him. But does it enter [the one who is] *ever pure*?

दूसरा जिज्ञासु: उनके प्रश्न का भाव है ना...
बाबा: उन्हीं को बोलने दो ना।
जिज्ञासु: उसके बाद में वो आत्मा, महात्मा बुद्ध की आत्मा फिर गर्भ में जाता है।
बाबा: क्योंकि एवर पतित के साथ रह करके एवर पतित बन गयी। इसलिए उसे गर्भ से जन्म लेना पड़े। नहीं समझ में आया? (जिज्ञासु: समझ में आया।) हाँ।
जिज्ञासु: बाद में कहाँ पर पार्ट होगा उसका?
बाबा: बौद्ध धर्म में।
जिज्ञासु: नहीं, वो महात्मा बुद्ध का?
बाबा: सिद्धार्थ का?
जिज्ञासु: महात्मा बुद्ध का।
बाबा: बौद्ध धर्म में रहेगी। उसने ही धर्म स्थापन किया है तो जो धर्म स्थापन करता है वो ही उसकी पालना भी करता है। (दूसरे जिज्ञासु को:) हाँ, अब बताओ ये क्या भाव बता रहे थे।
दूसरा जिज्ञासु: वो तो सिद्धार्थ में महात्मा बुद्ध की आत्मा है ना, जिस समय जिस शरीर में प्रवेश करता है तो वो दोनों आत्माएँ साथ2 ही रहता है क्या?
बाबा: साथ2 नहीं रहेगा और क्या कहीं अलग2 रहेगा?

[1] Consisting in the quality of goodness and purity

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासु: प्रवेश करने के बाद जो उसकी अपनी आत्मा है वो क्या ऐसे गुम अवस्था में रहेगी या उसका भी एक्टिवीटी...
बाबा: अरे, उसीमें रहेगी। दूसरे में क्यों रहेगी?
दूसरा जिज्ञासु: रहेगी तो उसीमें लेकिन वो अपनी एक्टिवीटी दिखायेगा या नहीं दिखायेगा?
बाबा: कौन?
जिज्ञासु: जो सिद्धार्थ की आत्मा?
बाबा: सिद्धार्थ की आत्मा अपनी एक्टिवीटी दिखाती है लेकिन वो उसे कैप्चर कर लेती है।

Another student: Baba, the intention of his question is…
Baba: Let him speak.
Student: Later, the soul of Mahatma Buddha enters the womb.
Baba: It is because it became *ever* sinful by staying with the *ever* sinful one. That is why he will have to take birth through the womb. Don't you understand? (Student: I have understood.) Yes.
Student: Where will it play the *part* afterwards?
Baba: In the Buddhist religion.
Student: No. [The soul] of Mahatma Buddha.
Baba: [The soul] of Siddhartha?
Student: [The soul] of Mahatma Buddha.
Baba: He will be in the Buddhist religion. It is he who has established that religion. So, the one who establishes the religion also sustains it. (To another student:) Yes, now tell about what was his intention?
Another student: The soul of Mahatma Buddha enters Siddhartha, doesn't it? The body which it enters, do both the souls stay together at that time?
Baba: If not together, will they remain separate?
Another student: Will his soul (the soul of Siddhartha) disappear after the entrance [of the soul of Mahatma Buddha] or will his activities also…
Baba: *Arey*, it will remain in that very [body]. Why will it live in other [body]?
Another student: It will certainly stay in that body but will it show its activities or not?
Baba: Who?
Another student: The soul of Siddhartha.
Baba: The soul of Siddhartha shows its activities but it (the soul of Mahatma Buddha) captures it.

<u>समय: 04.25–05.10</u>
जिज्ञासु: बाबा, सूर्यवंशी 4.5 लाख आत्माएँ इसी शरीर से सतयुग में देवी–देवता बनेंगे?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, शरीर तो ये रहेगा। पहले तमोप्रधान शरीर... बोला है ये शरीर सड़ते जावेंगे और आत्मा पावरफुल होती जावेगी। ये पावरफुल आत्मा इस सड़े हुए शरीर को बर्फ के अन्दर छोड़ देगी। आत्मा फिर उपर से नीचे उतरेगी और वो बर्फ उस टाईम पर हट जावेगी, ऑटोमॅटिकली। और उसी शरीर में प्रवेश करके फिर पार्ट बजायेगी।
जिज्ञासुः वही सतयुग में देवी–देवता बनेंगे?
बाबाः देवी–देवता बनेंगे।

Time 04.25-05.10
Student: Baba, will the 4.5 lakh (450 thousand) *Suryavanshi*[2] souls become the deities through this very body in the Golden Age?
Baba: Yes, this body will definitely remain. Initially, the body [will be] *tamopradhaan*[3] … it has been said [in the murli]: the body will continue to decay and the soul will become more and more *powerful*. The *powerful* souls will leave the decayed body in ice. When the soul again descends from above (the Soul World), the ice will automatically be removed at that *time* and it will enter the same body and then play the *part*.
Student: Will the same [souls] become deities in the Golden Age?
Baba: They will become deities.

<u>समयः 05.10–05.55</u>
जिज्ञासुः बाबा क्रिश्चियन लोग कहते है क्राईस्ट आयेंगे तो हम सबको ले जायेंगे। फिर जो बर्फ में...
बाबाः जो पक्के क्रिश्चियन्स है वो भगवान के बताने से नहीं मानेंगे। ब्रह्मा भी उतर आए तो भी नहीं मानेंगे। वो कब मानेंगे? जब क्राईस्ट वाली आत्मा इस ज्ञान को समझ जायेगी, तब मानेंगे।
दूसरा जिज्ञासुः क्रिश्चियन मानेंगे?
बाबाः क्रिश्चियन्स, हाँ। जो अपने धर्म के पक्के क्रिश्चियन्स हैं, कभी कन्वर्ट होने वाले नहीं हैं, वो अभी नहीं मानेंगे। उनका धर्मपिता जब तक नहीं मानेगा तब तक वो मानने वाले नहीं है।

Time: 05.10-05.55
Student: Baba, the Christians say, when Christ comes, he will take us along with him. Then those who are [buried] in ice…
Baba: Those who are firm Christians, they won't accept [the knowledge even] when God narrates it. They will not accept even if Brahma descends [to the earth]. When will they accept? They will accept when the soul of Christ understands this knowledge.
Another student: Will the Christians accept [the knowledge]?

---
[2] Those belonging to the Sun dynasty
[3] Dominated by darkness or ignorance

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Christians, yes. Those who are the firm Christians, those who never *convert*, they will not accept now. Unless their religious fathers accept [this knowledge], they are not going to accept it.

समयः 06.03–07.45

जिज्ञासुः कन्या, बहन और माता जो बाबा के पास सरेण्डर होता है...
बाबाः बाबा के पास क्या होता है? (किसी ने कहा – सरेण्डर होता है।) हाँ।
जिज्ञासुः ...कहते है झाँसी की रानी।
दूसरा जिज्ञासुः आदमी लोग कहते है झाँसी की रानी।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः झाँसी की रानी का अर्थ क्या है बाबा?
बाबाः झाँसी की रानी का अर्थ क्या है?
दूसरा जिज्ञासुः माना, जो कन्याएँ, माताएँ बाबा के पास सरण्डर होती हैं, उनको सभी झाँसी की रानी बोल रहे है।
बाबाः क्यों?
दूसरा जिज्ञासुः इसका क्या अर्थ है?
बाबाः सभी कैसे झाँसी की रानी हो जायेंगी? झाँसी की रानी ने जितना अंग्रजों को झाँसा दिया, क्या उतना सब झाँसा दे पायेंगे? हाँ, ये कह सकते है कि झाँसी की रानी अगर विकराल रूप धारण करके आसुरों के सामने ताण्डव नृत्य करती है, महाकाली का रूप धारण करती है, तो उसकी भुजाएँ हो सकती हैं छोटी–बड़ी। ऊँगलियाँ हो सकती हैं छोटी–बड़ी। ऊँगलियाँ भी सहयोगी बनती हैं, भुजाएँ भी सहयोगी बनती हैं। कोई राईटियस में सहयोगी बनती है, कोई लेफटिस्ट में सहयोगी बनती है। कोई उपर की भुजाएँ होती हैं, कोई नीचे की भुजाएँ होती हैं। तो ऐसे सहयोगी हो सकती हैं। लेकिन झाँसी की रानी तो एक ही होगी।

Time: 06.03-07.45
Student: The virgins, sisters and mothers who surrender to Baba…
Baba: What do they do to Baba? (Someone said: They surrender.) Yes.
Student: … they are called ‘the Queen of Jhansi’.
Another student: Men call them ‘the Queen of Jhansi’.
Baba: Yes.
Student: Baba, what is the meaning of ‘the Queen of Jhansi’?
Baba: What is the meaning of ‘the Queen of Jhansi’?
Another student: The virgins and mothers who surrender to Baba, people call them as ‘the Queen of Jhansi’.
Baba: Why?
Another student: What is the meaning of it?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: How will all become 'the Queen of Jhansi'? Will everyone [from among them] be able deceive the English people to the extent the Queen of Jhansi deceived them? Yes, this is possible that if the Queen of Jhansi takes on a fearsome (*vikraal*) form and performs the dance of destruction (*taandav*) before the demons, if she takes on the form of Mahakali[4], she can have small or big arms, she can have small and big fingers; the fingers also become the helpers as well as the arms become the helpers. Some become helpers in righteous [tasks] and some become helpers in the leftist [tasks]. Some arms are above and some arms are below. So, they can be helpers in this way but there will be just one Queen of Jhansi.

समयः 07.50–09.53

जिज्ञासुः जो शरीर सड़ना बोला तो क्या ये रोगों के द्वारा के लिए कहा है कि किसलिए कहा है?

बाबाः शरीर अभी... दुनिया का वातावरण जो है, वायब्रेशन खराब हो रहा है या सुधर रहा है? मनुष्यों का वातावरण खराब हो रहा है या सुधर रहा है? और मनुष्यों की संख्या बढ़ रही है या घट रही है? (किसीने कहा– बढ़ रही है।) और अन्त तक बढ़ती ही जावेगी या घटेगी? विकार बढ़ते ही जावेंगे कि घटेंगे? और ही जास्ती बढ़ते जावेंगे। तो दुनिया के पाँच तत्व और ही तमोप्रधान बनेंगे या सतोप्रधान बनेंगे? (किसी ने कहा – तमोप्रधान बनेंगे।) अभी ही अन्न–जल इतना दूषित होता जा रहा है। तो ये दूषित अन्न–जल दिन दूना, रात चौगना, जब तामसी स्टेज को बढ़ता जावेगा, सड़ता जावेगा तो शरीर सडेंगे या सुधरेंगे? (किसी ने कहा – सड़ेंगे।) कितनी भी दवाईयाँ करो, कितने भी इन्जेक्शन तैयार करो, कितने भी डॉक्टर बढ़ाओ, कितने भी हॉस्पिटल बढ़ाओ, सुधरने वाला नहीं है। और ही बिगड़ता जावेगा। क्या सुधरेगा? अगर सुधारना चाहते है तो परमात्मा के सान्निध्य से आत्मा को सुधार सकते है। आत्मा पावरफुल बनती जावेगी, जो पुरूषार्थ करेंगे उनकी। शरीर तो सडेंगे ही। सड़े हुए शरीर से भी आत्मा पावरफुल अपनी सेवा ले सकेगी। इसलिए बोला है कि बूढ़ी–2 आत्मायें भी जब सेवा फिल्ड में कूद पड़ेंगी तो उनको भी सेवा के पंख लग जावेंगे। उड़ने लग पड़ेंगी।

Time: 07.50-09.53

Student: As regards the decaying of the body… has it been said about [decaying of the body] through diseases or for what has it been said?

Baba: The body at present… is the atmosphere of the world, the vibrations [of the world] spoiling or is it reforming? Are the vibrations of human beings spoiling or are they reforming? And is the number of human beings increasing or is it decreasing? (Someone said: It is increasing.) And will it continue to increase till the end or will it decrease? Will the vices continue to increase or will they decrease? They will increase more and more. So, will the

[4] A title of goddess Parvati

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

five elements of the world become more *tamopradhaan* or will it become *satopradhaan*? (Someone said: It will become *tamopradhaan*.) The food and the water is becoming so much contaminated now itself. So, when this contaminated food and water will reach the degraded *stage* by leaps and bounds, will the bodies decay or will they reform? (Someone said: They will decay.) No matter, how many medicines they prepare, no matter how many injections they prepare, no matter how doctors are employed, no matter how many hospitals they increase, it (the body) is not going to reform. It will worsen more and more. What is it that will reform? If you want to reform anything, you can reform the soul through the presence of the Supreme Soul. Those who make *purushaarth* (spiritual effort), their soul will continue to become *powerful*. The bodies will anyhow decay. The *powerful* soul will be able to extract service even through the decayed body. That is why it has been said that when the old souls come in the service field, even they will grow wings of service. They will fly.

समयः 09.54–12.22

जिज्ञासुः जैसे कई बार हम लोग इसमें (याद में) रहते है तो रोग होने पर लोग बोलते है कि आप लोग तो योगी है, आप लोग तो बाबा के ज्ञान में चलते है। आप लोग को तो रोग नहीं होना चाहिए।

बाबाः हम रोगी है तो भी हम खाने–पीने की तुम्हारी तरह परवाह तो नहीं है। तुम तो कितने परवाह में मरे जा रहे है। (किसीने पूछा – कब बाबा उड़ेंगे?) जब सेवा में कूदेंगे। (किसीने कहा – अभी भी तो सेवा कर रहे है ना।) अभी घर–गृहस्थी में चटे हुए है। मेरा मेरा मेरा मेरा मेरा। (किसी ने कहा – घर–गृहस्थी छोड़ देंगे?) क्या? (किसी ने कहा – घर–गृहस्थी छोड़ के करेंगे?) क्यों बेहद की गृहस्थी नहीं है? तुम्हें बेहद बाप की गृहस्थी मिली है या हद की मिली है? (किसीने कहा – बेहद बाप की मिली है।) फिर? और ये गृहस्थी जो हद की है उसमें दरारें पड़ती जा रही है, दरारें बढ़ती जा रही हैं या घट रही हैं? जितने भी गृहस्थी बैठे हुए है, वो ये बात बताये अनुभव से कि गृहस्थी में दरारें बढ़ रही है, दिल टूट रहे है या जूड़ रहे है, ज्ञान में आने के बावजूद भी? टूट रहे है। हंस बगुले इकठ्ठे रह नहीं सकेंगे। जो जिस कोटि की आत्मा होगी वो उसी के साथ रह करके सुखी रह सकेगी। कीच जाके कीच में मिलेगी, दूध जाके दूध में मिलेगा। सन् 47 की तरह जब खून की नदियाँ बहना शुरू हो जायेंगी तो अपना सर ले लेके भाग खड़े होंगे। कौन हमारा बच्चा? कौन हमारी बच्ची? कौन अम्मा? कौन चाची? कौन घरवाली? सब भूल जायेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा शिवबाबा को भी भूल जायेंगे?

बाबाः शिवबाबा भूल जायेंगे? वो तुम ही हो सकते हो। वो तुम ही हो सकते हो। जो ऐसा संकल्प कर सकते हो, वो तुम हो सकते हो। नही नहीं –2 नहीं। ☺

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 09.54-12.22
Student: Many times we remain in this (remembrance). If we have any disease, people say: you people are yogi, you follow Baba's knowledge; you shouldn't have any disease.
Baba: We are also patients but we are not concerned about food and drinks like you. You are dying in its concern so much! (Someone asked: Baba when will we fly?) When you come in [the field of] service? (Someone said: Even now we are doing service, aren't we?) Now you are busy in the household [affairs]. [There is the feeling of] my, my, my, my, my. (Someone said: Shall we leave the household?) What? (Someone said: Should we leave the household and do [service]?) Why don't you have household in the unlimited? Have you found the household of the unlimited Father or have you found it in the limited? (Someone said: We have found [the household of] the unlimited Father.) Then? And are there split ups in the limited households, are the split ups increasing or are they decreasing? All the householders who are sitting here, reply this by your experience, are split ups increasing in the household, are the hearts breaking or are they joining even after coming in the knowledge? They are breaking. Swans and herons won't be able to live together. Whichever soul belongs to whichever category, it will stay happy only when it lives with the soul of that category. Mud will mix up with mud; milk will mix up with milk. When the rivers of blood start flowing, like it happened in the year 1947, everyone will run away to save their heads. Who is our son, who is our daughter, who is the mother, who is [our] aunt, who is housewife, they will forget everything.
Another student: Baba, will we forget Shivbaba also?
Baba: You will forget Shivbaba? Only you can be that person. You alone can be that. [Only] you can be the person who has such thought. No. No. No. ☺

<u>समयः 12.26–14.16</u>
जिज्ञासुः बाबा अकेले ही भागता है?
बाबाः नहीं, नहीं। दो–चार को गले में और बगल में लपेट के जाना। बाबा ने तो बीस बार बता दिया। बच्चा बच्चा नहीं रहेगा। अभी भी नहीं है। बाप बाप नहीं रहेगा। भाई भाई नहीं रहेगा। सब सम्बन्ध टूट रहे हैं और आगे चल कर टूटते चले जावेंगे। परमधाम में जाके एक ही सम्बन्ध बचेगा। क्या? आज भी बता दिया। क्या? आत्मा–आत्मा भाई–भाई। वो परमधाम नहीं। कौनसा परमधाम? वो परमधाम जो तुम इस सृष्टि पर उतार लेंगे। वहाँ सब आत्मा–आत्मा भाई–भाई ही नजर आयेंगे। बहन भी देखनें में आयेगी कोई। ऐसी ऊँची स्टेज बन जावेगी। बाकी इस दुनिया का तो वातावरण बिगड़ ही रहा है। वो कोई नहीं सुधार सकता। ब्राह्मणों का दुनिया का वातावरण बनता जावेगा। ब्राह्मणों की दुनिया में भी नम्बरवार है।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 12.26-14.16

Student: Baba runs alone?

Baba: No, no. Hang two-four [people] around your neck, [keep them] in your flanks and go. Baba has said a good number of times: the child will not remain your child. He is not that now either. The father will not remain the father, the brother will not remain the brother. All the relations are breaking and they will continue to break in the future. After going to the Supreme Abode (*Paramdhaam*), only one relation will be left. What? It was said today as well. What? Souls are mutually brothers. It is not about that *Paramdhaam*. [It is about] which *Paramdhaam*? The *Paramdhaam* which you will bring down on this world. You will see everyone only as souls who are mutually brothers. You will not see anyone as the sister either. You will attain such a high *stage*. Well, the atmosphere of this world is certainly spoiling. No one can reform it. The environment of the world of Brahmins will continue to improve. Even in the world of Brahmins, they are number wise[5].

समयः 14.20—16.22

जिज्ञासुः बाबा जब गीता पाठशाला चलाते है ना, गीता पाठशाला में ऐसा होता है कोई आत्मा... बाबा तो बोले है दो महीने से ज्यादा नहीं आया तो मर गया। वहाँ पर तो कोई आत्मा आता भी है, कोई नहीं आता है। इस टाईम में बाबा यहाँ पर आते है, खबर देने हम लोग घर—घर जायेंगे कि वहाँ पर जो आयेगा उसको खबर देंगे?

बाबाः जो नजदीकी मोबाईल वाले है उनसे सम्पर्क कर लें।

जिज्ञासुः कोई एक महीने से नहीं आता है। कोई दो—तीन महीने से नहीं आते है ...

बाबाः वो तो बता दिया, जो दो महीने से आते ही नहीं हैं, क्लास ही नहीं करते, बाबा की चिट्ठी सुनते ही नहीं, बाबा रोज़—2 चिट्ठी भेजते है, मुरली। जिन्हें इन्ट्रेस्ट ही नहीं है सुनने का, बाबा को भी चिट्ठी नहीं लिखते, घर बैठे मुरली मिलती हैं, वो भी नहीं पढ़ना चाहते सुनना चाहते, तो वो मरे हुए मूर्दों को तुम संदेश दोगे क्या?

जिज्ञासुः और संगठन करने के लिए जहाँ पर पाँच आत्मा नहीं रहता हैं वहाँ पर संगठन होगा कि नहीं होगा?

बाबाः जहाँ गीता पाठशाला ही नहीं वहाँ संगठन करने से क्या फायदा?

Time: 14.20 to 16.22

Student: Baba, when we run *Gita paathshaalaa*, it happens like this in the *Gita paathshaalaa* … Baba has said that if someone doesn't come [for classes] for more than two months, it means he has died. There (in the *Gita paathshaalaa*) some [people] come and some don't. Should we go to every house to give the news about Baba's arrival at a particular place at a

[5] They are the ones with higher or lower stage

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

particular time or should we give the news only to those who come there (to the *Gita paathshaalaa*)?
Baba: Those who stay nearby, you can contact them through *mobile* [phone].
Student: Some don't come for one month. Some haven't been coming since two-three months…
Baba: It has already been said that those who haven't been coming for two months, those who don't attend the *class* at all, those who don't listen to Baba's letter at all… Baba sends letter, [i.e.] murli daily. Those who don't have *interest* in listening at all, they don't write letter to Baba either, they don't even want to read or listen to the murlis they receive at home, then will you give the message to the dead bodies, [to the ones] who have died?
Student: And should a *sangathan* class (gathering) be held at the place where there are not even five souls or not?
Baba: What is the use of holding *sangthan* class where there is no *Gita paathshaalaa* at all?

जिज्ञासु: वो पहले गीतापाठशाला था...
बाबा: जब था तब था। अब इम्प्युरिटी के कारण युनिटी खत्म हो गयी। प्युरिटी बढ़ेगी तो गीता पाठशाला की युनिटी बढ़ेगी और प्युरिटी घटेगी तो गीतापाठशाला की युनिटी घटती चली जाएगी।
जिज्ञासु: नई आत्मा की सेवा के लिए भी यहाँ पर (संगठन) रखना चाहिए, बोलते है। हम लोग जाते है, वहाँ पर नया आत्मा कोई भी नहीं आता है। जो भी सेवा के लिए बुलाते हैं वहाँ पर।
बाबा: वो सेवा ही नहीं करेंगे तो आएगा कहाँ से नया?
जिज्ञासु: फिर वहाँ पर रखना चाहिए की नहीं रखना चाहिए?
बाबा: फिर चाहिए की क्या सवाल? बाबा के जो घर हैं, हम बाबा के घर में जाकर सब ब्राह्मण इकठ्ठे होंगे। जो बाबा के घर ही नहीं रहे, तो इकठ्ठे होने से भी क्या फायदा?

Student: It was a *Gita paathshaalaa* earlier...
Baba: Past is past. Now the *unity* has broken because of *impurity*. If [the level of] *purity* increases, the [level of] *unity* of the *Gita paathshaalaa* will rise and if [the level of] *purity* decreases, the *unity* of the *Gita paathshaalaa* will continue to break.
Student: They say that it (the *sangathan*) should also be held there for the service of new souls. [But] the place where we go, no new soul comes there, at the place where we are called [for service].
Baba: When they (those who call) do not do service at all, how will a new soul come there?
Student: Then should we hold [the *sangthan*] there or not?
Baba: Then why does the question of holding it arises? We Brahmins will go and gather at Baba's house. What is the use of gathering at the place which is not all Baba's house anymore?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समय: 16.28–17.12

जिज्ञासु: बाबा याद की परसेंटेज दु:खधाम की है, सुखधाम की है या फिर शांतिधाम की है, कैसे समझे?
बाबा: सुखधाम में याद की दरकार ही नहीं। वहाँ तो पहचान ही नहीं बाबा की जो हम याद करें।
जिज्ञासु: याद की परसेंटेज कैसे समझे बाबा, कि किस स्टेज की है?
बाबा: खुशी बढ़ेगी। याद की परसेंटेज जितनी बढ़ती जावेगी खुशी का पारा कापारी होता जावेगा। कोई हमको डाउन करना चाहे तो भी हम एक कान से सुनेंगे, दूसरे कान से निकाल देंगे। हमारे उपर कोई असर ही नहीं पडेगा ग्लानी का।

Time: 16.28-17.12
Student: Baba, how to understand whether the percentage of remembrance is [of the level of] the Abode of Sorrow (*Dukhadhaam*), the Abode of Happiness (*Shantidhaam*) or the Abode of Peace (*Shantidhaam*)?
Baba: There is no need to remember [the Father] in the Abode of Happiness at all. There, we don't recognize the Father at all so that we may remember Him.
Student: Baba, how should we estimate the percentage of remembrance [to know] it is of which *stage*?
Baba: Your happiness will increase. The more the *percentage* of remembrance increases, the mercury of joy will rise to the extreme point. Even if somebody wants to humiliate us, we will listen [to his words] through one ear and leave it out through the other. We will not at all be affected by the defamation.

समय: 17.20–21.00

जिज्ञासु: एक प्रश्न है बाबा। (किसीने कहा: इनकी भट्ठी नहीं हुई है।) परमात्मा का एक अक्षर है वय् ओम्। सभी धर्म इस शब्द को मानते है।
बाबा: परमात्मा का क्या?
जिज्ञासु: परमात्मा का एक अक्षर है वय् ओम्।
दूसरा जिज्ञासु: ओम् भगवान को मानते है। (किसी ने कहा: उन्हों को बोलते दो।)
बाबा: क्या इसी मोहल्ले में रहते हो क्या?
तीसरा जिज्ञासु: नहीं, नहीं, वो भट्ठी नहीं किया है।
बाबा: भट्ठी नहीं की है अभी?
तीसरा जिज्ञासु: नहीं, नहीं।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 17.20-21.00
Student: Baba, there is one question. (Someone said: He hasn't undergone *bhatti*.) 'Om' is a name of the Supreme Soul. [The people of] all the religions believe in this word.
Baba: What about the Supreme Soul?
Student: 'Om' is a name of the Supreme Soul.
Second student: They consider [the word] 'Om' as God. (Someone said: Let him say.)
Baba: Do you live in this suburb?
Third student: No, no. He hasn't undergone *bhatti*.
Baba: Haven't you undergone *bhatti* yet?
Third student: No, no.

बाबाः यहाँ पहले सात दिन का कोर्स लिया जाता है। फिर उसके बाद भट्ठी की जाती है, तब क्लास में बैठना होता है। हाँ, इसलिए जब तक भट्ठी में पके नहीं, गर्भ में। क्या? तब तक बाप के बच्चा ही नहीं बने। (किसी ने कहाः भट्ठी किया है।) कब? (किसी ने कहाः भट्ठी किया है।) कहाँ की भट्ठी? (एक माता ने कहाः क्लास करते है बाबा।) क्लास करते है, भट्ठी नहीं की ना। तो पहले भट्ठी कराओ, फिर बाबा के क्लास में बिठाओ। पता लग जाता है, बोलने मात्र से ही पता लग जाता है भगवान का बच्चा है की नहीं। ओम् को भगवान इसलिए कहा जाता है कि उसमें तीन अक्षर है जुड़े हुए। 'अ' 'ऊ' 'म', ओम्। अ माना ब्रह्मा, ऊ माना विष्णु, म माना महेश। ये तीन कर्तव्य हैं भगवान बाप के। नई दुनिया की स्थापना ब्रह्मा द्वारा, पुरानी दुनिया का विनाश महेश द्वारा और जो नई दुनिया बचती है विनाश होने के बाद उसकी पालना विष्णु के द्वारा। ये तीन बाप के पहलौटी के बच्चे हैं। बच्चे को आत्मा कहा जाता है। लख़्तेजिगर कहा जाता है। बच्चे में बाप की आत्मा धरी रहती है। तो ये तीन बच्चे परमात्मा बाप के तीन रूप हो गये, उनको कहते है त्रिमूर्ति शिव। वो तीनों ही आत्माएँ कल्याणकारी है। रिंचक मात्र भी अकल्याणकारी नहीं है अपने–2 कार्य में। इसलिए त्रिमूर्ति शिव कहा जाता है, शिव की तीन मूर्तियाँ। हर आत्मा ये तीन कार्य करती है। दिव्य गुणों की स्थापना अपने अन्दर करती है, दुष्ट गुणों का विनाश करती है और जो अच्छे गुण हैं उनकी पालना करती है। ऐसी स्थापना, पालना और विनाशकारी शक्ति को आत्मा कहा जाता है। तो आत्मा भी 'अ' 'ऊ' 'म' ओम् स्वरूप है। इसलिए भक्तिमार्ग में आत्मा सो परमात्मा कह दिया है।

Baba: Here, you have to take the seven days *course* at first. Later, you have to undergo *bhatti* and then you can sit in the *class*. Yes, that is why until you have become mature in *bhatti*, in the womb; what? Till then you haven't become the child of the Father at all. (Someone said: He has undergone *bhatti*.) When? (Someone said: He has undergone *bhatti*.) Where did you undergo *bhatti*? (A mother said: Baba, he attends the class.) He attends the *class* but he hasn't undergone *bhatti*, has he? So, first make him undergo *bhatti* and then allow him to sit in

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba's *class*. [We] come to know, we come to know just by the speech whether someone is a child of God or not. 'Om' is called God because three letters are combined in it. *Aa*, *U, Ma. Aa* means Brahma, *U* means Vishnu, and '*Ma'* means *Mahesh.* These are the three tasks of God the Father. The establishment of the new world takes place through Brahma, the destruction of the old world takes place through Mahesh (Shankar) and the new world that remains after the destruction has taken place, is sustained through Vishnu. These are the three elder children of the Father. The child is called the soul. He is called the piece of the heart. The soul of father is held in the child. So, these three children are the three forms of the Supreme Soul Father; they are [together] called 'Trimurti Shiva'. All the three souls are beneficial. They are not harmful even to the slightest extent in their task. That is why they are called Trimurti Shiva, the three personalities of Shiva. Every soul performs these three tasks. It establishes divine virtues in itself, destroys the bad traits and it sustains the good qualities [in itself]. The thing with these powers of establishment, sustenance and destruction [in itself] is called the soul. So the soul is also an embodiment of *Aa, U, Ma* – '*Aum*'. This is why they have said *atma so Parmatma* (the soul is equal to the Supreme Soul) in path of *bhakti* (devotion).

समयः 21.04–22.54

जिज्ञासुः बाबा, एकादशी का अर्थ क्या है? इसमें क्यों व्रत रखते है?
बाबाः एकादशी का अर्थ होता है एक और दस – ग्यारह। महिने का पहला या दूसरा जो पंद्रहवाँ होता है उसमें ग्यारहवें दिन को एकादशी कहते है। एक और दस मिलाकर के बनते है ग्यारह रूद्रगण। ये ग्यारह रूद्रगणों से भगवान विनाश का कार्य कराते है स्पेशली। ये वो आत्माएँ है जो सबकुछ त्याग करके संसार का ध्वंस कराने के निमित्त बनती है। खुद भी लंगोटिया बनती है। और अपने सारे ग्रूप रूद्रमाला को लंगोटिया बनाते है। इसलिए लोग डरते है कि शंकरजी की उपासना करेंगे तो वो हमको भी भभूतिया बना देगा।
दूसरा जिज्ञासुः लंगोटिया का अर्थ क्या है बाबा?
बाबाः लंगोटी पहनना, कुछ नहीं है अपने पास। तो एकादशी का व्रत है, जो ग्यारह आत्माओं के द्वारा विशेष रूप से व्रत किया जाता है।

Time: 21.04-22.54
Student: Baba, what is the meaning of *Ekaadashi*? Why do they fast on this day?
Baba: *Ekaadashi* means one plus ten equals to eleven. The eleventh day of the first half or the latter half of a month is called *Ekaadashi*. One plus ten equals to eleven '*Rudragan*[6]'. God especially brings about the task of destruction through these eleven *Rudragan*. These are the souls who sacrifice everything and become the instruments for the destruction of the world. They themselves become *langotia*[7] and they make their entire group of the

[6] The followers of Rudra
[7] The one who wears only a loin-cloth

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Rudramaalaa (the rosary of Rudra) *langotia*. That is why people fear that if they worship Shankarji, he will make them also *bhabhutia*[8].

Another student: Baba, what is the meaning *langotia*?

Baba: [It means] to wear [just] a loin-cloth; the one who has nothing with him. So, it is the fast of Ekaadashi which is especially observed by the eleven souls.

समय: 22.58–27.11

जिज्ञासु: जो बाबा पढ़ी–लिखी माता नहीं है। उतना ज्ञान को भी नहीं समझती...

बाबा: पढ़ी–लिखी? कौनसी पढ़ाई–लिखाई की बात कर रही हो ? कौनसी पढ़ाई–लिखाई की बात कर रही हो? (जिज्ञासु – ज्ञान तो...) अरे, ज्ञान की पढ़ाई–लिखाई की बात कर रही कि दुनियावी पढ़ाई–लिखाई की बात कर रही ? तुम ने कौनसी पढ़ाई–लिखाई नहीं पढ़ी है? तुम्हें कौनसी पढ़ाई–लिखाई का रोना आ रहा है?

जिज्ञासु: गीता पाठशाला में कुछ आत्मा हैं ना...

बाबा: वो छोड़ दो। हम जो पूछ रहे है उसका जवाब दो। तुम कौनसी पढ़ाई–लिखाई के लिए रो रही हो?

जिज्ञासु: हम तो बाबा के लिए रो रही है।

बाबा: बाबा के लिए रो रही? अरे, तुम कह रही हो, हम तो पढ़ी–लिखी ही नहीं है बाबा। तो कौनसी पढ़ाई–लिखाई का तुमको रोना आ रहा है? (जिज्ञासु – ज्ञान की।) ज्ञान की पढ़ाई–लिखाई का रोना? तुम्हें बाबा ने ज्ञान की पढ़ाई–लिखाई नहीं पढ़ाई?

जिज्ञासु: पढ़ाया है।

बाबा: झूठ क्यों बोलती? तुम जो अभी रोना रो रही हो कि हम तो पढ़े–लिखे है नहीं बाबा।

जिज्ञासु: याद के ...

Time: 22.58-27.11

Student: Baba, the mothers who are illeterate, those who do not understand the knowledge that much either…

Baba: Literate? You are speaking about which studies? You are speaking about which studies? (Student: The knowledge…) *Arey*! Are you speaking about the studies of knowledge or are you speaking about the worldly studies? Which studies haven't you studied? You are crying for which studies?

Student: There are some souls in the *Gita paathshaalaa*…

Baba: Leave that topic. First give the reply of what I am asking. You are crying for which studies?

Student: I am crying for Baba.

[8] the one who smears ashes on his body

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Are you crying for Baba? *Arey*! You are saying: Baba, I am illiterate. So for which studies are you crying? (Student: For knowledge.) Are you crying for the studies of knowledge? Hasn't Baba taught you the study of knowledge?
Student: He has.
Baba: Why are you speaking lie? You are crying now: Baba, I am illiterate.
Student: Of remembrance...

बाबाः याद के पढ़े लिखे नहीं हो? तुमने दुनियावी पढ़ाई–लिखाई नहीं पढ़ी सो अच्छा हुआ। बाबा तो मना करते है दुनियावी पढ़ाई–लिखाई न खुद पढ़ो, ना बच्चों को पढ़ाओ। पढ़ायेंगे तो दुनिया व्यभिचार की पढ़ाई पढ़ा रही है। कुत्ता–कुतिया बना देगी। छोटे बच्चों को भी... आज तो मुरली में बता दिया छोटे बच्चों को भी पढ़ाने की दरकार नहीं है। छोटे बच्चें आज बिगड़ रहे है। सौ परसैंन्ट पोतामेल बाबा के पास छोटे बच्चों के ही आ रहे है। छोटेपन में ही गंदे बन पड़ रहे है। (किसी ने कहा – भाईयों को तो पढ़ना होगा ना बाबा?) काहे? नौकरी करवानी है? डॉक्टर बनायेंगे? सर्जन बनायेंगे? (किसी ने कहा – शरीर निर्वाह के लिए पढ़ाना चाहते है।) शरीर निर्वाह। माना जो ब्राह्मण बने हैं, ब्राह्मण बनकर बाप के बच्चे बने हैं उनका शरीर निर्वाह नहीं हो रहा है, मर गये। आगे चलके देखेंगे कि सब धंदो में धुर लग जाएगी। सब धंदो में नुकसान होने वाला है। एक आबाद कौनसा धंदा होगा दुनिया में? ईश्वरीय ज्ञान का धंदा आबाद होगा। सारी दुनिया ज्ञान के धंदे में लगेगी। पेट को दो रोटी चाहिए पुरूषार्थ करने के लिए। दुनिया भर की बैंके भर–2 के रखी हुई है। कुछ काम नहीं आनेवाली है।

Baba: You are illiterate in the studies of remembrance? It is good if you haven't studied the worldly studies. In fact, Baba has forbidden [for this]; you should not study the worldly studies yourself nor should you make the children study it. If you make them study it, then the world is teaching the study of [becoming] adulterated. It will make you into dogs and bitches. Even in case of small children... it has been said in today's murli that there is no need to educate the small children either. Today, the small children are spoiling. Hundred *percent* of the *potamails* that are coming to Baba are of the small children. They become impure in their childhood itself. (Someone said: Baba, at least the brothers will have to study, won't they?) Why? Do you want them to do job? Will you make them into doctors? Will you make them into surgeons? (Someone said: We want to educate them for the sustenance of body.) Sustenance of body; it means, those who are Brahmins, those who have become Brahmins, the children of the Father, their bodies are not being sustained, they have died. You will see in the future that all the businesses will stop. All the businesses are going to suffer loss. Which will be the only business that flourishes in the world? The business of the knowledge of God will flourish. The whole world will get involved in the business of knowledge. The stomach requires [only] two *rotis* for making *purushaarth* (spiritual effort). They have deposited money in the banks all over the world. Nothing will be useful.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

(अन्य जिज्ञासुओं से) जिन भाईयों का टाईम हो गया वो निकल जाए। ये वार्तालाप तो चलता ही रहता है संशयबुद्धियों का। (किसी ने कहा – इधरसे कहते है प्रश्न भी करो, उधर कहते है संशयबुद्धि।) और कचड़ा अन्दर भरे रहो? (किसी ने कहा – निकालना तो पड़ेगा ।) तो फिर निकालो। उनकी बात थोड़े ही कर रहे है। हम तो उनकी कर रहे है जिनको घर जाना जरूरी है। बस छूटी जा रही है। (किसी ने कहा – बाबा, घर में ताला बंद करके आते है ना, तो परिवार है। तो जाना पड़ेगा ना।) हाँ तो जाओ ना। यहाँ काहे के लिए बैठे हो? ये तो वार्तालाप चल रहा है इसलिए कि जिनके अन्दर कचड़ा भरा हुआ है, बाबा के सामने निकाल कर डाल दे। बाबा उसका समाधान कर दे। नहीं तो कचड़ा भरा रहेगा – अरे, बच्चों को पढ़ाना जरूर। लड़को को तो कम से कम जरूर पढ़ाना चाहिए। नहीं तो हमारा पेट पोषण कौन करेगा? हमारे दाँत उखड़ जायेंगे, बाल सफेद हो जावेंगे, हम बुड्ढ़े पड़ जायेंगे, हमे कौन पालना करेगा? बाबा कहते है सब बिच्छू–टिंडन है। कोई पालना करने वाला नहीं बचेगा। आज के बच्चे पालना नहीं करते अम्मा–बाप की। वो कचड़ा है अगर भरा हुआ तो निकाल दो।

(To the other students:) The brothers whose *time* is up may leave. This discussion of the ones with a doubtful intellect goes on and on. (Someone said: On one hand you tell [us] to ask questions and on the other hand you call us the ones with a doubtful intellect.) So should you keep the rubbish filled inside [you]? (Someone said: We will have to remove it.) So remove it. I am not talking about them (those who ask questions). I am talking about those for whom it is necessary to go home. Their buses are about to depart. (Someone said: Baba, we lock our homes and come, there are family members; so, we will have to go, won't we?) Yes, you may go. Why are you sitting here? This discussion is going on for those who have rubbish filled in them, so that they can remove it and put in front of Baba. [So that] Baba may find a way out of them. Otherwise the rubbish will remain filled in them [and they will think:] *Arey*, it is necessary to educate the children. At least, sons should be educated otherwise, who will fill our stomach? Our teeth will fall, the hairs will turn gray, we will become old, who will sustain us? Baba says that all are [like] scorpions and spiders. No one will be there who sustain. The children today don't sustain their parents. If you have that rubbish inside you, then remove it.

<u>समयः 27.13–29.55</u>

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा के चार मानस पुत्र कहे गये हैं। तो उनका नम्बर ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के बाद है या पहले है?

बाबाः जो मानस पुत्र हैं, वो बाद में प्रत्यक्ष होते है। पहले तो त्रिमूर्ति प्रत्यक्ष होती है। पहले तीन के पार्ट डिक्लेअर हुए या आठ के पार्ट डिक्लेअर होते है, या आठ में जो चार और एड होते है विनाशकारी वो डिक्लेअर होते है? जो पहले प्रत्यक्ष

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

होते है वो ही श्रेष्ठ हैं। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर, वो श्रेष्ठ हैं। उनमें भी जो पहला नम्बर है देव देव महादेव, उसका ग्रुप डिक्लेअर होता है बारह का, वो श्रेष्ठ है। फिर विष्णु का ग्रुप डिक्लेअर होता है। लास्ट में ब्रह्मा का ग्रुप डिक्लेअर होता है। तीनों की अलग–2 स्थिति है। ब्रह्मापुरी नीचे, उससे उपर विष्णुपुरी , उससे उपर शंकरपुरी । तब कहा जाता है देव ब्रह्मा, उससे ऊँचा देव विष्णु, उससे ऊँचा महादेव, परमब्रह्म।

दूसरा जिज्ञासु: बाबा, शंकर से भी ऊँचा शिव, परमधाम।

बाबा: वो कौन दिखाता है? भक्तिमार्ग वाले या ज्ञानमार्ग वाले? वो कौन दिखाता है?

दूसरा जिज्ञासु: भक्तिमार्ग वाले...

बाबा: भक्तिमार्ग वाले दिखाते है? ब्रह्माकुमारियाँ नहीं दिखाती? हाँ तो ब्रह्माकुमारियों को पता है कि वो निराकार शिव जो है वो साकार के बगैर कोई काम नहीं करता? और जब तक काम करके नहीं दिखायेगा तो ऊँचा कौन मानेगा? ऊँच ते ऊँच निराकारी दुनिया की बात है या साकारी दुनिया की बात है? कहाँ की बात है? साकार दुनिया की बात है।

Time: 27.13-29.55

Student: Baba, it has been said that there are four sons of Brahma created through his thoughts (*maanas putra*). So, are they [revealed] after Brahma, Vishnu and Shankar or are they [revealed] first?

Baba: As regards the *maanas putra*, they are revealed later. The *Trimurti* is revealed at first. Are the roles of the three [personalities] declared first, are the roles of the eight deities (*ashta dev*) revealed or are the four destructive [souls] who are added to the eight [souls] revealed [first]? Only those who are revealed first are elevated. Brahma, Vishnu and Shankar are elevated. Even among them, the *group* of twelve [souls] of the first one [i.e.] *Dev Dev Mahadev*[9] is declared first; they are elevated. Then the *group* of Vishnu is declared and in the end, the *group* of Brahma is declared. All the three are at different positions. *Brahmapuri* (the abode of Brahma) is at a lower level; *Vishnupuri* (the abode of Vishnu) is at a higher level and *Shankarpuri* (the abode of Shankar) is at the highest level. Then it is said: the deity Brahma, the deity higher than him is Vishnu [and] the deity higher than them is Mahadev; [He is called] *ParamBrahma* (the Supreme Brahma).

Another student: Baba, Shiva is higher than Shankar; [He resides in] the Supreme Abode.

Baba: Who say this? Is it the people of the path of *bhakti* or those of the path of knowledge? Who say this?

Another student: The people of the path of *bhakti*.

Baba: Those belonging to the path of *bhakti* say this? Don't the Brahmakumaris say this? Yes, then do the Brahmakumaris know that the incorporeal Shiva doesn't perform any task without the corporeal one? And unless He performs the task and proves Himself, who will

---

[9] Deity of the deities, the greatest deity

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

consider Him to be high? Is the topic of [being] ‘the highest on high’ about the incorporeal world or is it about the corporeal world? It is about which place? It is about the corporeal world.

समयः 29.56–34.04

जिज्ञासुः बाबा, इन चार मानस पुत्रों की माँ–बाप की पालना कौन करते है?
बाबाः तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो; ये किसके लिए बोला है?
जिज्ञासुः शिवबाप के लिए।
बाबाः तो शिवबाप के लिए है तो वही माता भी बनता है, वही पिता भी बनता है।
दूसरा जिज्ञासुः बाबा माता–पिता होता है ना बाबा। लक्ष्मी–नारायण को माता–पिता बोलेंगे या शिव को माता–पिता बोलेंगे बाबा?
बाबाः लक्ष्मी नारायण?
दूसरा जिज्ञासुः लक्ष्मी–नारायण को हम सब माता–पिता के नाम से कहेंगे या वो शिव को माता–पिता कहेंगे?
बाबाः लक्ष्मी–नारायण पुरूषार्थी जीवन में नाम क्या है? जब पद पा लिया तो लक्ष्मी–नारायण। पुरूषार्थ पूरा हो गया। लेकिन पुरूषार्थी जीवन में उनका नाम क्या है? लक्ष्मी–नारायण ने पढ़ाई पढ़ी है कि नहीं पढ़ी है? कि बिना पढ़ाई पढ़े लक्ष्मी–नारायण बन गये। अरे, बोलते क्यों नहीं?
दूसरा जिज्ञासुः पढ़ाई पढ़े है।
बाबाः पढ़ाई पढ़े है। तो किससे पढ़ाई पढ़े? बिंदी से पढ़े...
दूसरा जिज्ञासुः साकार से पढ़े।
बाबाः तो कौन है साकार वो? उसको कहते है शिवबाबा। शिवबाप तो बिंदी का नाम है। वो बिंदी कोई साकार में प्रवेश करती है। जिस साकार में प्रवेश करती है उसी का नाम शंकर है। इसलिए मुरली में बोला है नेक्स्ट टू गॉड इज़ शंकर। उसी का नाम कृष्ण है। इसलिए मुरली में बोला है नेक्स्ट टू गॉड इज़ कृष्ण। उसी का नाम प्रजापिता है। इसलिए बोला है मुरली में नेक्स्ट टू गॉड इज़ प्रतापिता। हाँ, बोलो।

Time: 29.56-34.04
Student: Baba, who sustains these four *maanas putra* as the mother and the father?
Baba: For whom is it said, ‘You alone are my mother and You alone are my father’?
Student: It is said for the Father Shiva.
Baba: It is said for the Father Shiva so, He Himself becomes the mother and He Himself becomes the Father as well.
Second student: Baba, as regards the mother and the father, will Lakshmi-Narayan be called the mother and father or will Shiva be called the mother and father?
Baba: Lakshmi-Narayan?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Second student: Will we call Lakshmi-Narayan as the mother and the father or will we call Shiva as the mother and the father?
Baba: What is the name of Lakshmi-Narayan in their *purushaarthi* life (the life of making spiritual effort)? When they have attained the status, they are Lakshmi-Narayan. Their *purushaarth* has completed. But, what is their name in the *purushaarthi* life? Have Lakshmi-Narayan studied the knowledge or not? Or did they become Lakshmi-Narayan without studying the knowledge? *Arey*, why don't you speak?
Second student: They have studied the knowledge.
Baba: They have studied the knowledge. So, from whom did they study? Did they study from the Point...?
Second student: They studied from the corporeal one.
Baba: So who is that corporeal one? He is called Shivbaba. The Father Shiva is the name of the point. That point enters some corporeal one. The corporeal one whom it enters himself is named Shankar. That is why it has been said in the murli: *next to God is* Shankar. He himself is named Krishna. That is why it has been said in the murli: *next to God is* Krishna. He himself is named Prajapita. That is why it has been said in the murli: *next to God is* Prajapita. Yes, speak up.

तीसरा जिज्ञासु: शिव रचयता अलग दिखाते है शंकर रचयता...
बाबा: फिर शिव रचयता... रचयता साकार होता है या निराकार होता है?
तीसरा जिज्ञासु: शंकर की प्रतिमा अलग है, शिव की प्रतिमा अलग है।
बाबा: शिव की प्रतिमा अलग, शंकर की प्रतिमा अलग। रचयता कब बनेगा? तुम्हारी रचयता की बात है सो बताओ। ब्रह्माकुमारियों का ज्ञान रट रखा है। एडवान्स ज्ञान में मनन, चिंतन, मंथन तो चलाओ। हाँ बोलो। रचयता साकार होता है या निराकार होता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) प्रतिमा? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) शिवलिंग को प्रतिमा नहीं कहेंगे। प्रतिमा हाथ–पाँव वाली होती है, नाक, आँख, कान वाली होती है। शिवलिंग तो निराकार की यादगार है। वो निराकार ज्योतिबिंदु जब साकार में प्रवेश करता है वो साकार पुरूषार्थ की सम्पन्न स्टेज पर पहुँचता है तब उसकी प्रतिमा बनती है। उसको कहते है शिवशंकर भोलेनाथ। शिव को अगल कर दिया तो नाम नहीं बनेगा। वो दोनों मिलकरके एक हो जाते है। बाप आता है बच्चे को आप समान बनाने के लिए। एक ही बच्चा है 33 करोड़ देवताओं के बीच में जिसका नाम बाप के साथ जोड़ा जाता है। क्यों? क्योंकि बाप उस बच्चे के द्वारा ऊँच ते ऊँच कार्य कराके जाता है। कार्य करता है तो ऊँच ते ऊँच है। कार्य करके ना दिखाये तो ऊँच ते ऊँच काहे का?

Third student: They show the Creator Shiva and creator Shankar separate…
Baba: Again [you are saying] the Creator Shiva… is the creator corporeal or incorporeal?
Third student: The idol of Shiva is different and the idol of Shankar is different…
Baba: [Ironically:] the idol of Shiva is different and the idol of Shankar is different. When will He become the creator? Speak about your idea regarding the creator. You have parroted

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

the knowledge of the Brahmakumaris. Just think and churn the advance knowledge. Yes speak up. Is the creator corporeal or incorporeal? (Student said something.) The idol? (Student said something.) *Shivling*[10] will not be called an idol. An idol [is shown with] hands and legs. It has nose, eyes, and ears. *Shivling* is the memorial of the Incorporeal one. When the incorporeal Point of light enters the corporeal one and when that corporeal one attains the complete *stage* of *purushaarth*, idols of Him are made. He is called Shiva Shankar Bholenath[11] . If Shiva is separated, the name will not be formed. Both of them combine and become one. The Father comes to make the child equal to Himself. There is only one child among the 330 million deities whose name is combined with that of the Father. Why? Because the Father performs the highest task through that child and then goes. Only when He performs the task, He is the highest on high. If He doesn't perform the task and prove Himself, then how is He the highest on high?

<u>समयः 34.06–37.16</u>

जिज्ञासुः बाबा सन् कितना में माऊँट आबू में ताला लगेगा?

बाबाः माऊँट आबू में तुम ताला क्यों लगवाना चाहते हो? तुम्हारी क्या दुश्मनी है? क्या उन्होंने तुम्हारा धन–सम्पत्ति लूट लिया, बच्चे लूट लिये?

जिज्ञासुः ताला बाबा इसलिए लगवाना चाहते है कि वो लोग व्यर्थ में आध्यात्मिक ईश्वरीय विश्व विद्यालय वाले भाई–बहनों का ग्लानी करके स्वयं राज्य कर रहा है। दुनिया को ठग रहा है।

बाबाः तुमने 63 जन्म ग्लानी की भगवान की और देवताओं की तो तुम्हारे घर में भगवान ने आके ताला लगवाया? तो तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? ऐसा क्यों सोचना चाहते? ये सोचो कि दुनिया में हमारे अगर नजदीक है कोई तो दुनिया वाले नजदीक नहीं हैं। जिन्होंने बेसिकली भगवान बाप को पहचाना है वो हमारे ज्यादा नजदीक हैं जन्म–जन्मान्तर के। नहीं समझ में आया? समझ में नहीं आया? दुनिया वाले अगर हमारे नजदीक होते तो दुनिया वालों ने बाप को पहचाना होता। कम से कम बेसिकली तो पहचाना होता। पहचाना? नहीं पहचाना। तो वो जन्म–जन्मान्तर हमारे नजदीक नहीं रहेंगे। वो बाप के नजदीक नहीं तो वो हमारे भी नजदीक नहीं।

Time: 34.06-37.16

Student: Baba, in which year will [the buildings at] Mount Abu be locked?

Baba: Why do you want [the buildings at] Mount Abu to be locked? Why do you have enmity with them? In what way have they looted away your wealth and property, your children?

---

[10] An oblong shaped stone worshipped all over India as the symbol of Shiva in the path of *bhakti*

[11] Shiva Shankar the lord of the innocent ones

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, we want to get it locked it because they (the Brahmakumaris) unnecessarily defame the brothers and sisters of Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya and they themselves are ruling [there]. They are deceiving the whole world.
Baba: When you defamed God and the deities for the 63 births, did God come and lock your house? Then, why are you doing like this? Why do you want to think like this? Think that if at all anyone is close to us in the world, it is not the people of the world who are close to us. Those who have recognized God the Father at the basic level have been closer to us for many births. Didn't you understand? Didn't you understand? Had the worldly people been close to us, they would have been recognized the Father. At least, they would have recognized Him at the basic level. Did they recognize Him? They didn't. So, they (those in the basic knowledge) will stay close to us birth by birth. If they are not close to the Father, they aren't close to us either.

बेसिक वालों ने भगवान बाप को बेसिकली पहचाना। हमने भी पहचाना था। वो हमारे ज्यादा नजदीक हैं दुनिया वालों के मुकाबले। और इस एडवान्स ब्राह्मणों की दुनिया में भी कोई तो नास्तिक वर्ग के हैं, कोई आर्य समाज के बीज हैं, कोई मुस्लिम धर्म के बीज हैं, कोई सिक्ख धर्म के बीज हैं, कोई ईस्लाम धर्म के बीज हैं। वो पहले हमको धोखा देकरके जाएंगे या दुनिया वाले जो अन्त में प्रत्यक्ष होने वाले 33 करोड़ देवात्माएँ हैं वो हमको धोखा देंगी? पहले हमको द्वापर युग से धोखा कौन देंगे? ये एडवान्स की बीज रूप आत्माएँ यहाँ बैठी हुई है। थोड़ा समय साथ देंगी, फिर उठा के सिंगठ दिखा देंगी, ग्लानी करेंगी जाके बाहर। तो दुश्मन तो हमारे अन्दर भरे पड़े हैं। ये विदेशी ही दुश्मन है। वो विदेशी नहीं जो अपने धर्म के पक्के है। वो विदेशी जो कनवर्ट होकर के दूसरे धर्म में चले जाते रहें। वो जयचंद हमारे अन्दर बैठे हुए है।

Those in the *basic* [knowledge] recognized God the Father at the basic level. We too had recognized [Him]. They are closer to us in comparison to the worldly people. And as regards this world of Brahmins in the advance [knowledge], some are from the category of atheists, some are the seeds of Arya samaj, some are the seeds of the Muslim religion, some are the seeds of the Sikh religion and some are the seeds of the Islam. Will they deceive us and leave us first or will the 330 million deity souls from the [basic] world, who are revealed at the end, deceive us? Who will deceive us first from the Copper Age? The seed form souls of the advance [party] are sitting here. They will accompany for short time, then they will show you thumb (reject), go outside and defame you. So, in reality, the enemies are inside. The *videshi* (foreigners) themselves are our enemies. Those *videshi* who are firm in their religion are not [our enemies]. The *videshis* who have been converting to other religions [are our enemies]. Those [souls like] Jaichand[12] are sitting among us.

[12] A treacherous ruler of Banaras

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

<u>समयः 37.22–39.40</u>
जिज्ञासुः बाबा, घरवाले रह जायेंगे, बाहरवाले ले जायेंगे तो अन्त में प्रत्यक्ष होंगे तो बाहरवाले ले जायेंगे।
बाबाः बाहरवाले माने और अन्दरवाले माने? माने मालूम है?
जिज्ञासुः एडवांस के जो है वो तो घरवाले...
बाबाः वो घरवाले है? तो तुम बहुत समझ गये। क्यों भाई? यही परिभाषा है अन्दरवाले , बाहरवालों की? अन्दरवाले कौन और बाहरवाले कौन? अन्दर वाले रह जावेंगे, बाहरवाले ले जावेंगे। बेसिक में ऐसा हो चुका है। क्या हो चुका ? जो ब्रह्मा बाबा के साथ रहते थे, साथ सोते थे, साथ खाते थे, साथ खाना बनाते थे, साथ टहलते थे, चलते–फिरते थे, वो रह गये। बहुत से पड़े हुए है। और जो बाहरवाले घर–गृहस्थ का जीवन व्यतित करते थे, ब्रह्मा बाबा के साथ नहीं रहते थे सरण्डर हो करके, वो ले गये। यहाँ बैठे हुए है सारे ही। ये बाहरवाले ले गये बेसिक में से। और बेसिक में जो अन्दर सरेण्डर होकर के बैठे थे वो रह गये। वो ही अर्थ यहाँ भी है। यहाँ भी ऐसे–2 सरेण्डर होते है जो कागज़ में दिखाने भर के सरेण्डर है। एक तिनका नहीं तोड़ सकते है। कहावत है कटी हुई ऊंगली पे पेशाब भी नहीं करेंगे। ऐसे–2 हैं। खाते है, पीते है, रहते है, सोते है, पूरी पालना लेते है। सैकडों भाई–बहनों का खून पी जाते है बिमार होते है तब। खून दिया जाता है कि नहीं? तो सरेण्डर हैण्ड्स उनको खून भी दे देते है कई बार, बोतलें की बोतलें। फिर भी धोखा देते है।

Time: 37.22-39.40
Student: Baba, the insiders will be left [behind] and the outsiders will take away [the inheritance]. So, the outsiders will take away when He is revealed in the end.
Baba: What is meant by outsiders and what is meant by insiders? Do you know the meaning?
Student: Those in the advance [party] are insiders…
Baba: Are they insiders? [Ironically:] Then you have understood a lot! Why brother? Is this the definition of the insiders and the outsiders? Who are insiders and who are outsiders? The insiders will be left [behind] and the outsiders will take away [the inheritance]. It has happened like this in the basic [knowledge]. What has happened? Those who used to stay with Brahma Baba, slept together, ate together, they used to cook food along with him, wandered with him, walked and moved about [with him]; they were left out. Many from among them are staying [at Mount Abu]. And the outsiders, who used to live in the household life, those who didn't *surrender* and stay with Brahma Baba took away [the inheritance]. All those ones are sitting here. These outsiders took away [the inheritance] in the basic [knowledge] and those who surrendered and sat inside, in the basic [knowledge], were left away. The same meaning is applicable here as well. Here also such kind of [souls] *surrender*, who have surrendered just for the sake of showing on the paper. They cannot break even a

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

single straw. There is a saying, 'he will not urinate even on a cut finger[13]'. There are such ones who eat, drink, stay, sleep [in the Father's house] and they take the complete sustenance; they drink (take) the blood of hundreds of brothers and sisters when they fall sick. Is blood donated or not? So, the [other] *surrendered hands* also donate many bottles of blood to them many times. Even then they deceive [the Father].

समयः 39.56–41.50

जिज्ञासुः बाबा ये भक्तिमार्ग वाले बोलते है, अपन के धर्म में रहना ही अच्छा है। हम तो इसी जीवन में जो धर्म में हैं वही धर्म हमारा स्वधर्म है। लिखा भी कि अपने धर्म में रहना अच्छा है। मुरली में भी आता है बाबा इसका क्या जवाब है?
बाबाः तो मुरली में यही तो आता है कि हमारा धर्म कौनसा है?
जिज्ञासुः वो लोग तो समझते है कि हम जो धर्म में है...
बाबाः उनके समझने से क्या? हम अपनी समझ देखे (या) हम दूसरों की समझ पर चलेंगे?
जिज्ञासुः जब भी बताने के लिए जायेंगे तो बोलते है कि हमारा तो धर्म है, अपना धर्म में सुखों से बैठा है...
बाबाः तुम्हारा धर्म क्या है? उनसे पुछो तुम्हारा धर्म क्या है? तो क्या जवाब देंगे? (किसी ने कहा – देवता को पूजेंगे...।) देवता को पूजेंगे... उनसे पूछो स्व आत्मा को कहा जाता है या शरीर को कहा जाता है? तो मूल रूप में उनको समझानी दोगे तभी तो समझेंगे। जब स्व आत्मा को कहा जाता है तो आत्मा का धर्म देखना है न की देह के धर्म देखने है? हिन्दू धर्म, मुस्लिम धर्म, सिक्ख धर्म, बौद्धि धर्म; सबकी सिकल अपनी–2 है। वो तो देह के धर्म हो गये। हमारा तो आत्मा का धर्म है। आत्मा को क्या धारणा करनी है? क्या धारणा नहीं करनी है? वो आत्माओं का बाप परमात्मा बैठ समझा रहे है। हम अपने स्वधर्म को भूल गये। हम धर्मभ्रष्ट, कर्मभ्रष्ट हो गये। पहले उनको अपनी पहचान तो दो। वो तो कुछ भी कहते रहेंगे, अज्ञानी है बिचारे।

Time: 39.56-41.50
Student: Baba, the people in the path of *bhakti* say that it is better to stay in our religion. Our religion in the present life itself is our *swadharm* (religion of the self). It is also written that it is better to stay in one's own religion. It is also mentioned in the murli; so Baba, what should we reply for this?
Baba: So, this is what is mentioned in the murli that… which is our religion?
Student: They think that the religion in which they are...
Baba: What do we have to do with what they think? Should we consider our opinion or will we follow the opinion of others?
Student: Whenever we go to tell them, they say that they are happy in their religion …

[13] It means, he won't help even in dire situation

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Which is your religion? Ask them: which is your religion? What will they reply? (Someone said: They worship deities…) They worship deities… ask them: is the soul called '*swa*' or is the body called '*swa*'? So, when you explain to them the original form only then will they understand. When the soul is called '*swa*', should we see the religion of the soul or should we see the religion of the body? The [people] of the Hindu religion, the Muslim religion, the Sikh religion, the Buddhist religion, all of them have different faces. Those are the religions of the body. Ours is the religion of the soul. What should the soul inculcate and what it shouldn't, the Father of the souls, the Supreme Soul is explaining [us]. We have forgotten our *swadharma*. We have become corrupt in religion (*dharma bhrashta*) and corrupt in actions (*karma bhrashta*). At least give them their introduction first. They will keep saying anything, those poor ones are ignorant.

<u>समयः 41.51–43.23</u>

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुग में जब सम्पूर्ण लक्ष्मी–नारायण प्रत्यक्ष होंगे तो क्या उसमें शिव बाप की प्रवेशता रहेगी?

बाबाः लक्ष्मी–नारायण पद पा लिया तो बाप की प्रवेशता की दरकार है? पढ़ाई पूरी नहीं हुई?

जिज्ञसुः आत्माओं को परमधाम कौन ले जाएगा?

बाबाः वो तो आत्मिक स्थिति में गये। क्या सारे ही आत्मिक स्थिति में चले जायेंगे एक साथ? जो परमधाम में पहले ही स्टेज में टिक गया, सदैव ही परधाम वाली स्टेज अनुभव कर रहा है, देहभान की स्टेज अनुभव ही नहीं करता है, सूक्ष्म वतन की स्टेज अनुभव नहीं करता, निराकारी स्टेज का अनुभव करता है, वो पहले–2 उपर जाएगा। झाड़ के चित्र में उपर कौन दिखाया है? आत्माओं को ले जाने वाला कोई दिखाया है?

जिज्ञासुः शंकर ।

बाबाः शंकर दिखाया है। तो जो शंकर का पार्ट अदा करनेवाला शरीरधारी है वो तो नारायण का पद पा गया। वो तो है ही ऊँची स्टेज में। बाकी जो उस स्टेज को नहीं प्राप्त किया है वो पुरूषार्थ करते रहेंगे। ओम् शान्ति।

Time: 41.51-43.23

Student: Baba, when the complete Lakshmi-Narayan are revealed in the Confluence Age, will the Father Shiva enter [Narayan]?

Baba: When they attained the position of Lakshmi-Narayan, is there the need for the entrance of the Father? Haven't they completed their study?

Student: Who will take the souls to the Supreme Abode?

Baba: They (Lakshmi-Narayan) have [already] attained the soul conscious stage. Will everyone attain the soul conscious stage together? The one who has stabilized in the *stage* of the Supreme Abode beforehand, the one who is always experiencing the *stage* of the Supreme Abode, the one who doesn't experience the body conscious *stage* at all, the one who doesn't experience the *stage* of the subtle world, the one who experiences the incorporeal

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

stage, he will go above first of all. Who has been shown above in the picture of 'the [Kalpa] Tree? Has anybody been shown who takes [all] the souls [with him]?
Student: Shankar.
Baba: Shankar has been shown. So the bodily being who plays the *part* of Shankar has attained the position of Narayan. He is already in the high *stage*. The rest [of the souls] who have not attained that *stage* will continue to make *purushaarth*. Om Shanti.

वार्तालाप–1000, तारीख 27.06.10, कोलकाता–2
Disc.CD No.1000, dated 27.06.10, Kolkata-2

समयः 00.13–01.08
बाबाः आग और कपूस इकट्ठे नहीं रह सकते। स्त्री और पुरूष इकट्ठे होकरके पुरूषार्थ नहीं कर सकते। इसका मतलब क्या हुआ? हमने कौन रास्ता अपना लिया? हम हार करके चल रहे है या जीत की उम्मीद लेकर के चल रहे है? (सभी ने कहा – हार करके ।) इसका मतलब जीवन में हम हारके चल रहे है। रोज़ मर्रे का जीवन ऐसा अपना लिया कि ऐसा नहीं हो सकता। जब ऐसा हो ही नहीं सकता तो उस पढ़ाई को पढ़ने का कोई फायदा ही नहीं हुआ। गीता का ज्ञान झूठा हो गया।

Time: 00.13-01.08
Baba: Fire and cotton can't be kept together. Female and male can't make *purushaarth* (spiritual effort) together. What does it mean? Which way did we choose? Are we following [the knowledge] being defeated or are we following with the hopes to win? (Everyone said: [We are following] being defeated.) It means we are following being defeated in life. We have accepted this in our daily life that it is not possible [to live together]. When it is not at all possible, there is no use of studying that knowledge at all. The knowledge of the Gita has proven to be false.

समयः 01.52–04.10
बाबाः (एक प्रश्न का जवाब देते हुए) बाबा ने तो सीधे–2 डायरेक्शन दे दिये है। कन्या ज्ञान में नहीं चलती है, उसकी शादी कर दो।
जिज्ञासुः जो शादी होते नहीं चाहते है, माँ के पास रहते है।
बाबाः जबरदस्ती कर दो।
जिज्ञासुः भट्ठी किया है।
बाबाः कंट्रोल करो। घर से बाहर मत निकलने दो।
जिज्ञासुः वो तो चाचाजी के पास रह रहे है।
बाबाः चाचाजी के पास भेज दो। चाचाजी शादी करें। चाचाजी अपने घर में रखे।
जिज्ञासुः माँ सहयोग करता है। आना–जाना करते है। उसको दोष लगेगा?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः माँ सहयोग करेगा या बाप सहयोग करेगा तो उसमें बाबा की क्या गलती है?
जिज्ञासुः बाप तो ज्ञान में नहीं चला और माँ ज्ञान में चला। वो सहयोग करता है। उसको दोष...
बाबाः जब बाप ज्ञान में नहीं चला है इसका मतलब ये हुआ कि प्रवृत्ति मार्ग अभी ज्ञानमार्ग में है ही नहीं। हाँ जी। यहाँ तो द्रौपदी भी ज्ञान में चलने वाली चाहिए और पांडव भी ज्ञान में चलने वाले चाहिए।
जिज्ञासुः उनको दोष लगेगा कि नहीं?
बाबाः किसको?
जिज्ञासुः माँ को।
बाबाः माँ को दोष तब लगेगा जब वो श्रीमत पर नहीं चलेगी।
जिज्ञासुः माँ ज्ञान में रही है। उसको सहयोग करती है। आना–जाना...
बाबाः सहयोग इंद्रियों से नहीं होता है, सहयोग मन से होता है। मन जब विकारों का रस लेने लग पड़ता है तो सहयोग हो जाता है। इंद्रियों को जबरदस्ती वशीभूत करके पुरूष विकारी बनाता है, मन–बुद्धि उपराम हो गयी तो विकारी नहीं है। आत्मा निर्विकारी है। बाप का बच्चा है। मुर्दा बनने की बात है।

Time: 01.52-04.10
Baba: (Answering a question) Baba has given the direction directly: if the daughter doesn't follow the knowledge, get her married.
Student: She doesn't want to get married and stays with her mother.
Baba: Force her.
Student: She has undergone *bhatti*.
Baba: *Control* her. Don't let her go out of the house.
Student: She is staying with her paternal uncle.
Baba: Send her to uncle's house and let him arrange her marriage or keep her in his house.
Student: Her mother helps her. She visits there (uncle's house). Will she be blamed for it?
Baba: If the mother or the father helps her what is the mistake of Baba in it?
Student: The father hasn't followed the knowledge and the mother has followed the knowledge. She helps her. Her fault…
Baba: When the father hasn't followed the knowledge it means that the household path isn't following the path of knowledge at all. Yes. Here, Draupadi should be the one who follows the knowledge as well as the Pandavas should follow the knowledge.
Student: Will she be blamed or not?
Baba: Who?
Student: The mother.
Baba: The mother will be blamed when she doesn't follow the shrimat.
Student: The mother has followed the knowledge and she helps her [daughter]. She visits…

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Helping [someone] is not related to the *indriyaan*[14]; [someone is] helped through the mind. When the mind starts enjoying pleasures of vices, it is considered as helping [someone]. If the husband forcefully controls the *indriyaan* and makes [the wife] vicious [and] if she has detached her mind and intellect, she is not vicious. The soul is vice less. It is the child of the Father. It is about becoming a corpse (*murdaa*).

समयः 04.18–05.28

जिज्ञासुः बाबा, बाबा ने बोला है पाकिस्तान का नाम तो उड़ जाएगा।
बाबाः हाँजी, हाँजी।
जिज्ञासुः ...एक मात्र भारत खंड रहेगा।
बाबाः पाकिस्तान, नेपाल और ये जो जितने भी आसपास के देश है भूटान वगैरा, वो सब हिन्दुस्तान में मिलकरके एक हो जावेंगे। अभी खण्डित भारत है। फिर क्या होगा? अखण्ड भारत हो जावेगा। हाँ तो?
जिज्ञासुः तो बाबा, पाकिस्तान का नाम क्यों लिया?
बाबाः पाकिस्तान का नाम क्यों बोला? अभी है ना प्रेक्टिकल में।
जिज्ञासुः अलग–2 देश तो है।
बाबाः अलग–2 है तो खण्डित भारत है ना। पहले भी खण्डित था क्या? पहले तो अखण्ड था। पहले अलग से पाकिस्तान नहीं था।
जिज्ञासुः 60 साल पहले नहीं था।
बाबाः 47 से पहले पाकिस्तान नहीं था। बाद में पाकिस्तान हुआ।

Time: 04.18-05.28
Student: Baba, Baba has said that the name of Pakistan will vanish.
Baba: Yes, yes.
Student: …only the land of Bharat (India) will remain.
Baba: All the neighboring countries like Pakistan, Nepal, Bhutan, etc. will join with Hindustan (India) and become one. Now Bharat is divided. What will happen later? Bharat will become undivided. Yes, then?
Student: So Baba, why was the name of Pakistan taken?
Baba: Why was the name of Pakistan taken? It is present now in practice, isn't it?
Student: They are separate countries.
Baba: They are separate, so Bharat is divided, isn't it? Was it divided before as well? Earlier, it was undivided. Pakistan wasn't separated [from India] earlier.
Student: It didn't exist 60 years ago.
Baba: Pakistan didn't exist before 1947; it was formed later on.

[14] Parts of the body used to perform actions and the sense organs

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

<u>समयः 05.33—07.52</u>
जिज्ञासुः बाबा, बांधेली माता है...
बाबाः बांधेली माता, हाँ।
जिज्ञासुः भट्ठी करना चाहती है। उनके युगल जो है वो सहयोगी नहीं है।
बाबाः वो परमिशन नहीं देता है?
जिज्ञासुः नहीं। परमिशन नहीं देता।
बाबाः हाँ जी।
जिज्ञासुः तो उसमें क्या करे माता?
बाबाः भट्ठी कर दे घर में। घर में ही भट्ठी रमा दे।
जिज्ञासुः कैसे?
बाबाः लगन की बात है।
जिज्ञासुः अगर भट्ठी में नहीं जाएंगे तो क्लास में नहीं आ सकते?
बाबाः ज्ञान कहाँ से ले लिया?
जिज्ञासुः सेंटर से।
बाबाः तो कैसे आयी? आश्रम में आने के लिये मना है जिन्होंने भट्ठी नहीं की है? (किसी ने कहा – नहीं ऐसा नहीं है बाबा।) फिर? आश्रम में या गीता पाठशाला में आने के लिए मना तो नहीं किया गया है। भट्ठी नहीं की है तो भी क्लास कर सकते है।

Time: 05.33-07.52
Student: Baba, there is a *bandheli* mother (mother in bondage)…
Baba: *Bandheli* mother, yes.
Student: She wants to undergo *bhatti*. Her husband is not co-operative with her.
Baba: He doesn't give *permission*?
Student: No. He doesn't give permission.
Baba: Yes.
Student: So, what should the mother do in this [case]?
Baba: She can do *bhatti* at home. She can undergo *bhatti* at home itself.
Student: How?
Baba: It is the subject of her dedication.
Student: If she doesn't go for doing *bhatti*, can't she come to the class?
Baba: Where did she take the knowledge from?
Student: From the *center*.
Baba: So how did she come? Are those who have not undergone *bhatti* forbidden to come to the ashram? (Someone said: No Baba, it is not so.) Then? She is not forbidden to come to the ashram or *Gita paathshaalaa*. Even if someone hasn't undergone *bhatti*, he can attend the *class*.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु: बाबा आने से बाबा को मिल सकते है?
बाबा: बाबा के तो बच्चे बने ना पहले। घर में ही भट्ठी करके ऐसी लगन दिखा दे जो दूसरों को पता चले, ये तो बाबा का बच्चा बन गया। कोई कह नहीं सकता, ये बाबा का बच्चा नहीं। बाबा भी उसे स्वीकार कर लेंगे। उनकी तो पर्मनेन्ट भट्ठी हो जाती है, बांधेली माताओं की।
जिज्ञासु: बाबा, कम्पिल जाना है?
बाबा: बांधेली माताओं को अगर बंधन लगाया जाता है, लगातार बंधन है और वो लगातार क्लास कर रही है। तो भट्ठी नहीं भी करेंगी तो भी उनको परमिशन मिलेगी। (किसी ने कुछ कहा।) हाँ जी।

Student: Can she meet Baba, when Baba comes?
Baba: Firstly, she should become Baba's child, shouldn't she? She should do *bhatti* at her home itself and prove her devotion so that others come to know that she has become the child of Baba. No one can say that she is not the child of Baba. [Then] Baba will also accept her. In fact, they, the *bandheli* mothers undergo a *permanent bhatti*.
Student: Baba, should she go to Kampil…
Baba: If the *bandheli* mothers are kept in bondage, if they are always in bondage but they are attending the classes regularly then even if they don't undergo *bhatti*, they will be given permission [to come to the ashram]. (Someone said something.) Yes.

समय: 07.57–10.22
जिज्ञासु: बाबा एक–2 सितारें में एक–2 दुनिया है...
बाबा: एक–2 सितारें में एक–2 दुनिया है।
जिज्ञासु: एक दुनिया, एक भाषा होगा सतयुग में। एक–2 दुनिया एक–2 सितारें में माना कितने दुनिया होगा?
दूसरा जिज्ञासु: पूछना है कि एक–2 सितारे में एक–2 दुनिया बसी हुई है तो कितने सितारे होंगे जो एक भाषा, एक मत, एक रस हो जायेंगे?
बाबा: वो सब सितारें अपने को सूर्य में मर्ज कर देंगे। जैसे सूर्यवंशी अपने मान–मर्तबे को सूर्य के मान–मर्तबे में मर्ज कर देते है। अलग से कोई मत नहीं। जो बाप का मत सो हमारा मत। जो नारायण का मत वो सारी प्रजा का मत। पूरा परिवार एक हो गया। सारी वसुधा ही एक कुटुंब हो गया। द्वापरयुग से भले दुनिया बनाये अपनी–2। त्रेता तक ढ़ाई हजार वर्ष एक ही दुनिया रहेगी। भल राज्य भी अलग–2 हो जायेंगे राम राज्य में, अनेक राजाएँ होंगे, फिर भी वो एक के कंट्रोल में होंगे। द्वापर, कलियुग में ऐसा नहीं होता है।
तीसरा जिज्ञासु: बाबा, ये तो बेहद का बात बोलता है। हद में सारे सितारें सूर्य के साथ मर्ज होगा क्या?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वहाँ दिन ही दिन होगा। सितारों का अस्तित्व खत्म। वहाँ रात होगी ही नहीं। जब रात ही नहीं होगी तो सितारें दिखाई देंगे? (किसी ने कहा – नहीं दिखाई देंगे।) दिखाई ही नही देंगे।

Time: 07.57-10.22

Student: Baba, there is a world in each star …

Baba: Each star has a world in itself.

Student: There will be one world, one language in the Golden Age. Each *star* has a world in itself, meaning how many worlds will be there?

Second student: He wants to ask that each star has a world in itself so how many stars will get together to make one language, one opinion?

Baba: All those stars will merge themselves into the Sun. Just like the *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty) merge their respect and position into the respect and position of the Sun. They won't have a different opinion. The opinion will be the same as that of the Father. The subjects will also have the same opinion as that of Narayan. The entire family will become one. The entire earth itself will become one family. It doesn't matter, if they make their own world from the Copper Age. There will be just one world till [the end of] the Silver Age, for 2500 years. Though there will be separate kingdoms in the kingdom of Ram, there will be many kings, they will remain under the *control* of the one. It is not like this in the Copper and Iron ages.

Third student: Baba, this is in the unlimited. Will all the stars merge in the Sun in the limited?

Baba: It will always be daytime there. The existence of the stars will end. There won't be night there at all. When there won't be the night, will the stars be seen? (Someone said: They won't be seen.) They won't be seen at all.

समयः 10.25–12.21

जिज्ञासुः अभी कर्मातित अवस्था कोई नहीं बना है?

बाबाः कर्मातित अवस्था? (किसी ने कहा – हुआ है या नहीं हुआ है?) कर्मातित अवस्था हो गया? फिर तो रोग–शोक नहीं होना चाहिए।

दूसरा जिज्ञासुः कर्मातित अवस्था किसी की नहीं हुआ क्या ये पूछ रहे है।

बाबाः कर्मातित अवस्था जिसकी हो जायेगी उसको कोई रोग आक्रमण करेगा? नहीं करेगा। कोई विरोध करेगा? वाचा से विरोध करेगा? अरे। वाचा से भी विरोध नहीं करेगा। दृष्टिमात्र से भी विरोध नहीं करेगा। कर्मातित की निशानी है किसीसे भी उसका विरोध नहीं होगा। जो नजदिक आवेगा वो उसीका बन जावेगा। पारसनाथ बन जावेगा। पारस पत्थर बन जावेगा।

जिज्ञासुः कब होगा बाबा?

बाबाः कब होगा? अभी–2 बताया तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने में 40 वर्ष लगते है। 50 वर्ष लगते है। और सुनते–2 भूल गये। (किसी ने कुछ कहा।) कब से

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अव्यक्त वाणी में बोलते आ रहे है बाबा। क्या करो? सम्पूर्ण बनने की डेट फिक्स करो। डेट तो क्या कम से कम वर्ष तो बुद्धि में फिक्स होना चाहिए।

Time: 10.25-12.21
Student: Hasn't anyone attained the *karmaatiit* stage[15] till now?
Baba: The *karmaatiit* stage? (Someone said: Has anyone attained it or not?) Have you attained the *karmaatiit* stage? Then you should not have any disease or sorrow.
Another student: He is asking, hasn't anyone attained the *karmaatiit* stage?
Baba: Will the one who has attained the *karmaatiit* stage be attacked by any disease? He won't. Will anyone oppose him? Will anyone oppose him through speech? *Arey*! He won't be opposed through speech. He won't be opposed even through vision. The sign of someone who has attained the *karmaatiit* stage is that he won't be opposed by anyone. Whoever comes near him, he will belong to him. He (the one who has attained the stage) will become Parasnath[16], he will become [like] the stone of *paaras*[17].
Student: Baba, when will we attain it?
Baba: When will you attain it? It was said just now: it takes 40 years to become *satopradhaan*[18] from *tamopradhaan*[19]; it takes 50 years. And you forgot while listening. (Someone said something.) Baba has been saying this since a long time in the avyakta vanis. What should you do? *Fix* the *date* to become complete. Leave aside the topic of the date, at least the year [of becoming complete] should be fixed in the intellect.

<u>समयः 12.25—13.30</u>
जिज्ञासुः बाबा परमधाम से चला गया। जन्म—जन्मांतर तुम्हारा साथ में है ब्रह्मा। जन्म—जन्मांतर साथ में रहेंगे, साकार परमधाम कैसे जायेंगे?
बाबाः निराकारी जावेगा साकारी जन्म—जन्मांतर साथ रहेगा। और साथ उनके रहेगा जो यहाँ साथ है। यहाँ विरोधी है तो वहाँ भी विरोधी बनकर रहेगा। यहाँ के साथी और सहयोगी वहाँ के जन्म—जन्मांतर के साथी और सहयोगी बनेंगे। यहाँ संकल्प मात्र से भी अगर विरोध करते है तो शूटिंग हो रही है। यहाँ संकल्प का बीज पड़ा और वहाँ प्रक्टिकल में साकार में होगा। यहाँ संकल्पों का भी विरोध वहाँ की बड़ी लड़ाई हो जावेगी।

Time: 12.25-13.30
Student: Baba has gone away from the Supreme Abode (*Paramdhaam*). Brahma is with you for many births. If we remain together for many births, how will the corporeal one go to the Supreme Abode?

---

[15] The stage beyond karma
[16] The Lord of the ones with a *paaras* like intellect
[17] a mythical stone which is believed to transform into gold anything that touches it
[18] Consisting in the quality of goodness and purity
[19] Dominated by darkness or ignorance

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: The Incorporeal one will go back and the corporeal one will stay together for many births; and he will stay together with those who are together with him here. The one who is an opponent here, he will be an opponent there as well. Those who have been the companions and helpers here, will become companions and helpers there for many births. If they oppose even to the level of thoughts here…, so the *shooting* is going on. The seed of thought is sown here and it will happen in practice there (in the broad drama). Opposing [him] even to the level of thoughts here will turn out into a big war there.

समयः 13.38–18.09

जिज्ञासुः बाबा, वो क्या करेगा? वो पिताजी, चाचा, चाची, बेटी एक तरफ। कन्या भट्ठी किया, माँ भट्ठी किया। बाप ज्ञान में नहीं चला। वो धमक देता है, तुमको खाना नहीं देती, तुम हमारे पास नहीं रहती। वो क्या करेगा? छाड़–पत्र भी नहीं देगा।

बाबाः क्या बात है? क्या कह रही है? अरे, जो हिन्दी जानते है सो बोलो ना। इन लोगों ने समझा नहीं आप बोलीये... (जिज्ञासु ने कुछ कहा।)

दूसरा जिज्ञासुः माँ–बेटी ज्ञान में चलती। उसके चाचा, चाची, जितना ताऊ–2 हैं...

बाबाः पूरे सम्बन्धी ज्ञान में नहीं चलते।

दूसरा जिज्ञासुः नहीं चलते। उसको विरोध करते है, उसको घर से भी निकाल देते। वो लोग क्या करे?

बाबाः घर से निकाल देते है तो पुलिस में जाके रिपोर्ट करो। रिपोर्ट की कॉपी लो और चाहे जिस आश्रम में जाकर बैठ जाओ। (दूसरा जिज्ञासु – वो पूछ रहे है।) बता तो दिया, घर में से निकाल दिया जिसके साथ सात फेरे किए... जिसके साथ सात फेरे किए, सामाजिक समाज के बीच में बैठ करके शादी रचायी, साथ देंगे ये अंजाम किया और फिर घर से बाहर निकाल दिया, तो चार लोगों को इकट्ठा करके थाने में जाओ और रिपोर्ट लिखाओ कि शादी करने के बाद हमको घर से बाहर निकाल दिया, मारपीट करके। चोट का निशान है तो जाकरके हॉस्पिटल में उसका रिपोर्ट लो।

Time: 13.38-18.09

Student: Baba, what will she do? The father, paternal uncle, aunt are on one side. The virgin and the mother have undergone *bhatti*. The father doesn't follow the knowledge. He threatens her [saying:] you won't be given food, don't stay with me. What will she do? He doesn't give the separation letter (*chaad patra*) either.

Baba: What is the matter? What is she telling? *Arey*, let the one who knows Hindi speak. (To the mother:) These people haven't understood. Speak up… (Student said something.)

Second student: The daughter and mother are following the knowledge. All her relatives i.e. uncle, aunt, father's elder brother and so on…

Baba: All the relatives don't follow the knowledge.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Second student: They don't. They oppose her; they also drive her out of the house. What should they do?
Baba: If they drive her out of the house, she should go to the police *station* and *report* about it. She can take a *copy* of that *report* and go to any ashram and stay there. (Second student: She is asking [the same thing].) It was already said: if the one to whom she was married[20] has sent her out of the house… if the one to whom she was married, the one who married her in public, the one who promised to accompany her and then sent her out of the house, then, she should gather four people and go to the police station and *report* about it [mentioning that] after marrying you, he (the husband) beat you and sent you out of the house. If there are any injury marks, go and *report* about it in the *hospital*.

दूसरा जिज्ञासुः वो बोलता है कि ज्ञान छोड़ दो।
बाबाः अरे, जब हम अलग ही हो जा रहे है तो छोड़ क्यों दे? धर्म कोई छोड़ता है? धर्म क्यों छोड़ दे?
जिज्ञासुः छाड़ पत्र भी नहीं देता।
बाबाः वो पुलिस में जाके तुमने जो रिपोर्ट लिखाई है वो रिपोर्ट तो लेकर आओ। चोट जो लगी है, मारपीट हुई है, वो रिपोर्ट तो लेकर आओ हॉस्पिटल में से। मारे डर के और मारे मोह के तो मरे जा रहे है।
जिज्ञासुः वो बोला कि मैं बाबा के घर में रह जायेंगे। तुम छाड़ पत्र दो। नहीं देगा।
बाबाः छाड़ पत्र क्या होता है? (किसी ने कहा – तलाक़ ।) जिसे तलाक़ देना होगा वो खुद जा करके कोर्ट में तलाक़ देगा। हम काहे के लिए तलाक़ दे? हम कोई विदेशी माता है क्या? हम तलाक़ नहीं देते। तुमने घर में से बाहर निकाल दिया माने तुमने तलाक़ दे दिया।
तीसरा जिज्ञासुः वो घर में बुलाता है। बोलता है, ज्ञान छोड़ दो, नहीं तो बाबा के घर में जायेंगे तो हमारा सबकुछ हमको लिख दो, तुम चला जाओ। डिवोर्स नहीं दे रहा है।
बाबाः कुछ लिखने की दरकार नहीं। बता दिया, घर में से निकाल दे, चोट का निशान है जाके हॉस्पिटल में कागज़ लो, चेकिंग कराओ, रिपोर्ट की कॉपी लो और दोनों कागज़ लेके चाहे जहाँ चले जाओ। कोई कुछ नहीं कर पाएगा।
जिज्ञासुः बाबा के घर में वो सेवा में रहेंगे क्या?
बाबाः बिल्कुल रहेंगे। और हंस–बगुले इकट्ठे वैसे भी नहीं रह सकते। आज नहीं तो कल, हंस–बगुले तो अलग–2 होंगे ही। नाली के कीड़े नाली में ही रहेंगे।

---
[20] *Phere lenaa*: a marriage custom where the bride and the bridegroom take seven rounds around the sacred fire

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Second student: He says her to leave the knowledge.
Baba: *Arey*, when she is going to separate, why should she leave [the knowledge]? Does anyone leave the religion? Why should she leave the religion?
Student: He doesn't give separation letter either.
Baba: First, at least bring the *report* that you have given [in written] in the police station. At least bring the *report* of the injuries, the beatings that you have suffered from the *hospital* first. You are dying because of fear and because of attachment.
Student: She said [her husband]: I will stay at Baba's house; give me separation letter. [But] he doesn't give it.
Baba: What is *chaad patra*? (Someone said: Divorce.) The one who wants divorce, he himself will go to the *court* and give divorce. Why should we give divorce? Are we *videshi* (foreigner) mothers? We don't give divorce. If he has sent her out of the house it means, he has given divorce to her.
Third student: He calls her at home. He says her: leave the knowledge; otherwise, if you go to Baba's house, give me everything that belongs to me in written and you may go. He doesn't give divorce.
Baba: There is no need to write anything. It was already said that if he has sent her out of the house, if there are injury marks, go to the *hospital* and take paper, get yourself checked, take a *copy* of the *report* and you may go wherever you wish with both the papers (both the reports). No one will be able to do anything.
Student: Can she stay at Baba's house to do service?
Baba: Certainly, she can. Swans and herons cannot live together anyway. If not today, the swans and herons will definitely separate tomorrow. The worms of the drain will remain in the drain itself.

समयः 18.18–19.22

जिज्ञासुः बाबा, वो कर्मातित अवस्था का डेट फिक्स करने के बारे में कुछ बताइए ना।
बाबाः करो ना। बाबा ने ईशारा दे दिया वर्ष का। (किसीने कहा – 2018 से पहले करना है।) 2018 का बाबा ने वर्ष का ईशारा दे दिया। अब तुम महीना निकालो, डेट निकालो, कुछ तुम भी तो करो।
जिज्ञासुः मुरली में बोलता है कि पहले अपने दिल से ये डेट फिक्स करो कि विश्व की सब आत्माओं को बाबा का वर्सा मिल जाए।
बाबाः सबको पहले मिल जाएगा? पहले आप मुये... (सभी ने कहा – मर गयी दुनिया।) दूसरों की बात छोड़ दो। पहले खुद मर जाओ। पहले देहभान से खुद मर जाओ। दुनिया अपने आप सुधर जाएगी। खुद कर्मातित बने तो अपने सम्पर्क में आने वाले भी सब कर्मातित बनेंगे। (किसीने कहा – जो हुजूर, जी हाजिर।) हाँ जी।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 18.18-19.22
Student: Baba, please tell us something about fixing the date to attain *karmaatiit* stage.
Baba: Fix it, won't you? Baba has hinted towards the year. (Someone said: It has [to be attained] before 2018.) Baba has hinted towards the year 2018. Now, you may fix the month or fix the date; you too, do something for it, won't you?
Student: It is said in the murli: *fix* the *date* in your heart at first; has every soul in the world received Baba's inheritance?
Baba: Will everyone receive it at first? First, if you die… (Everyone said: the world is dead for you.) Leave aside the topic of others. First of all, you, die yourself. First, die in body conscious yourself. The world will be reformed automatically. If you yourself become *karmaatiit*, all those who come in our contact will also become *karmaatiit*. (Someone said: Yes Your Highness.) Yes.

समयः 19.42—21.38
प्रश्नः कुमार, अधरकुमार, कुमारी और माता बेहद में किसको कहेंगे?
उत्तरः इसका मतलब हद में तो समझ लिया ना। प्रकाश भाई। कौन है? हद में कौन होते है सो बता दो पहले।
जिज्ञासुः जिसकी शादी नहीं हुई होती है उसको कुमार कहते है ।
बाबाः हाँ, जिन्होंने लायसन्स नहीं लिया है विकार में जाने का वो है कुमार। और?
जिज्ञासुः अधरकुमार जिसकी शादी हुई है।
बाबाः हाँ, जिन्होंने लायसन्स ले लिया है, विकार में गोते खाने का। गवर्नमेंट भी कुछ नहीं कर सकती। मार—पीट के विकार में डाल दो। समाज भी कुछ नहीं कर सकता। वो है शादी—शुदा। हाँ, और?
जिज्ञासुः मातायें माना जिसके बाल—बच्चे है।
बाबाः शादी की माना माता है। शादी नहीं की है (तो) माता नहीं है। कुमारी है। हाँ और?
जिज्ञासुः इसका बेहद में क्या अर्थ है?
बाबाः बेहद की क्या बात है? बेहद में तो तब जाएगा जब अन्दरूनी बात हो। कोई ऐसे होते है बाहर से कुमार है और अन्दर से बीसीयों शादी की हुई है। तो बेहद के अधर कुमार हुए या हद के हुए? (किसीने कहा – बेहद के।) बेहद के अधर कुमार हो गये।

Time: 19.42-21.38
Question: Who will be called *kumars* (bachelors), *adhar kumars* (married men), *kumari* (virgin) and *adhar kumari* (married women) in the unlimited?
Answer: It means, you have understood in the limited, haven't you? (Baba read the name of the questioner) Prakash *bhai* (brother). Who is he? (To the brother:) First, tell [me], who are they in the limited.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: The one who is not married is called *kumar*.
Baba: Yes, those who haven't received the *license* to indulge in vices are *kumar*. And?
Student: *Adhar kumar* means the one who is married.
Baba: Yes, those who have received the *license* to dive [in the ocean of] vices. Even the *Government* can't do anything [against them]. They beat [their wives] and [make them] indulge in vices. The society can't do anything [against them] either. They are the married ones. Yes; and?
Student: Mothers means those who have children.
Baba: If she is married, she is a mother. If she is not married, she isn't a mother; she is a *kumari*. Yes, and?
Student: What is its meaning in the unlimited?
Baba: Where is the question of [considering it] in the unlimited? It will be considered in the unlimited when it is about the internal [state]. There are some who are *kumars* externally but from within (from the mind), they have married twenty times. So are they *adhar kumar* in the unlimited or in the limited? (Someone said: In the unlimited.) They are *adhar kumar* in the unlimited.

समयः 21.41–22.49
जिज्ञासुः बाबा...
बाबाः हाँ जी।
जिज्ञासुः कर्मातित कैसे बन सकते है?
बाबाः कर्मातित कैसे बन सकता है? प्रैक्टिस करो, कर्म करते हुए याद में रहने की। कोई भी कर्मेन्द्रियों से कर्म करते हुए याद में रहने की प्रैक्टिस लगातार बनी रहे, निरंतर याद रहे, तो कर्मातित कहे जाएंगे। अन्तर पड़ गया याद में कर्मेन्द्रियों का भोग भोगने में बुद्धि चली गयी या रस लेने लगे... जैसे बाबा कहते है, भोजन करने बैठता हूँ, एक–दो गिट्टी खायी और बाप की याद भूल गयी। उसे कर्मातित अवस्था नहीं कहेंगे।

Time: 21.41-22.49
Student: Baba…
Baba: Yes.
Student: How can we become *karmaatiit*?
Baba: How can we become *karmaatiit*? *Practice* to remain in remembrance while performing actions. You should have a constant *practice* of remaining in remembrance while performing actions through any *karmendriyaan*[21]; if you have constant remembrance, it will be called *karmaatiit* stage. If there is a gap in the remembrance, if the intellect is diverted towards enjoying pleasures or if it starts enjoying pleasures through the *karmendriyaan*… just like [Brahma]Baba says [in the murli], when I sit to have food, I eat [just] one or two

[21] Parts of the body used to perform actions

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

morsels (*gitti*) and I forget to be in remembrance of the Father. It will not be called the *karmaatiit* stage.

समयः 22.58–26.34

जिज्ञासुः बाबा, मुरली का पॉईंट आया है, द्रौपदी का पाँच पति थे। एक–2 करके नथनी डाल देता है। तो बेहद में क्या है हम लोंगो को समझ में नहीं आया।
बाबाः वो तो चक्राता में बताया।
जिज्ञासुः हाँ, वो समझ में नहीं आया।
बाबाः देहरादून के पास एक गाँव है चक्राता, जहाँ दुगुना देह अभिमान रहता है। उसका नाम बेहद में है देहरादून। कितना देह अभिमान रहा? दून दुगुना देह अभिमान रहा। वहाँ का एक गाँव है। उस गाँव में ये यादगार चल रही है अभी तक भी। भक्तिमार्ग की यादगार है, संगमयुग की यादगार है कि ऐसी जो द्रौपदी होती है, उसमें दो गुना देह अभिमान होता है। अगर देह अभिमान दुगुना नहीं होता तो दुर्योधन की हँसी नहीं उड़ाती। मूल कारण कहाँ से शुरू हुआ? दुर्योधन–दुःशासन ने लड़ाई शुरू की या द्रौपदी ने शुरू की? कारण कौन बना? द्रौपदी कारण बनी। कन्याओं–माताओं का देह अभिमान प्रसिद्ध होता है। उन कन्याओं–माताओं की मुखिया है जगदम्बा। पुरूष के मुकाबले स्त्रियों में दो गुना देह अभिमान होता है। विकारी पुरूष होते हैं। कामी, क्रोधी, लोभी, मोही, अहंकारी पुरूष होते हैं। लेकिन देह अभिमान स्त्री जाति में होता है द्वापर–कलियुग में। इसलिए ब्रह्मा को रावण का सर, गधा दे दिया। वो आत्मा की बुद्धि में अभी भी नहीं बैठ रहा है कि गीता का भगवान कौन? इसलिए घड़ी–2 देह अभिमान में लोट जाता है। सूक्ष्म शरीर होने के कारण पावरफुल आत्मा है। किसके द्वारा लोट जाता है? अपना शरीर तो है नहीं। (किसी ने कहा – जगदम्बा के द्वारा।) जगदम्बा के शरीर के द्वारा? वो तो अंतिम उनका रूप है। शुरूआत कहाँ से होती है? जगदम्बा पहले या जगतपिता पहले? (किसी ने कहा – जगतपिता पहले।) हाँ जी।

Time: 22.58-26.34
Student: Baba, a point has been mentioned in the murli, Draupadi had five husbands. Each one of them made her wear a nose ring one by one. So, what does it mean in the unlimited, we didn't understand it.
Baba: It is said about Cakrata.
Student: Yes, we didn't understand it.
Baba: Near Dehradun (a place in North India), there is a village named Cakrata, where they have double body consciousness. It is named Dehradun in the unlimited. How much body consciousness do they have? They have '*dun*' [meaning] double body consciousness. There is a village there. This memorial exists even today in that village. It is the memorial of the path of *bhakti*; it is the memorial of the Confluence age that Draupadi had double body

consciousness. If she didn't have been double body conscious she wouldn't have laughed at Duryodhan at all. What was the main reason? Did Duryodhan, Dushasan start the war or did Draupadi start it? Who became the reason [for the war to take place]? Draupadi became the reason. The body consciousness of virgins and mothers is famous. Jagdamba (the World Mother) is the chief of those virgins and mothers. When compared to men, women have double body consciousness. It is the males who are vicious. It is the males who are lustful, wrathful ones, greedy, the ones with attachment and egotistic. But it is the females who have body consciousness in the Copper and Iron ages. That is why Brahma has been shown [above the ten] heads of Ravan as [the head of] a donkey. It is not sitting in the intellect of that soul even now, who God of the Gita is. That is why he rolls about in body consciousness again and again. The soul is *powerful* because of having a subtle body. Through whom does he roll about [in body consciousness]? He certainly doesn't have his own body. (Someone said: Through Jagdamba.) Through the body of Jagdamba? In fact, [he takes on] his last form [through her]. From whom does he begin? Is Jagdamba first or is Jagatpita (the father of world) first? (Someone said: Jagatpita is first.) Yes.

<u>समयः 26.50–30.15</u>

प्रश्नः बाबा, रूद्रमाला और विजयमाला का मणका एक–दूसरे को कैसे पहचानेंगे?
उत्तरः रूद्रमाला का पहला मणका और लास्ट मणका पहचान लिया? अरे, पहचान लिया की नहीं? (किसी ने कहा – पहचान लिया।) जिसने पहचान लिया वो तो हाथ उठा दो। एक, दो, तीन, चार हाथ उठ रहे है। बस। पहचान लिया? कौन? (किसी ने कहा – प्रजापिता ...।) प्रजापिता और जगदम्बा। तो जब पहला, दूसरा मणका रूद्रमाला का पहचान लिया तो विजयमाला में पहला और अंतिम मणका नहीं होगा? (किसी ने कहा – होगा।) तो दो का पार्ट खुल सकता है, तो 108 का नहीं खुल सकता? खुल सकता है। आठ प्रत्यक्ष हो सकते है तो 16 भी प्रत्यक्ष हो सकते है। तो एक–दूसरे को पहचानेंगे नहीं? ज्ञान के नेत्र से पहचानेंगे या नहीं पहचानेंगे? पहचानेंगे। और पहचानेंगे तो बुद्धियोग एक–दूसरी तरफ जाएगा या नहीं जाएगा? (किसी ने कहा – जाएगा।) जाएगा।

Time: 26.50-30.15

Question: Baba, how will the beads of the *Rudramaalaa* (the rosary of Rudra) and the *Vijaymaalaa* (the rosary of victory) recognize each other?

Answer: Have you recognized the first and the last bead of the *Rudramaalaa*? *Arey*, have you recognized them or not? (Someone said: We have recognized [them].) Those who have recognized them, do raise your hands. [Only] one, two, three, four hands are raising up. That's all! Have you recognized? Who [are they]? (Someone said: Prajapita ...) It is Prajapita and Jagdamba. So, when you have recognized the first and the last bead of the *Rudramaalaa*, won't there be the first and the last bead in the *Vijaymaalaa*? (Someone said: There will be.) So, when the roles of two [souls] can be revealed, can't the roles of 108 [souls] be revealed? It can be revealed. When eight [souls] can be revealed, sixteen [souls] can also be revealed.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Then, won't they recognize each other? Will they recognize [each other] through the eyes of knowledge or not? They will. Then will the connection of their intellect go towards each other or not? (Someone said: It will.) It will.

प्रश्नः वो पहचान के बारे में बाबा बोलेंगे या अपना–2 आप ढूँढ लेंगे?
उत्तरः चिंता बड़ी भरी हो रही है। ☺ बाबा की याद की चिंता नहीं हो रही है। पहले अपना संगी–साथी ढूँढने की चिंता हो रही है। अब बताओ जिनको ये चिंता हो रही है वो विदेशी मणके है या स्वदेशी है? (किसी ने कहा – विदेशी है।) विदेशी बाल–बच्चे अपना संगी–साथी अपने आप ढूँढने लग पड़ते है। और जो स्वदेशी बाप के बच्चे होते है, वो माँ–बाप को निमित्त बनाते है। अपनी चिंता अपने आप नहीं करते है।
प्रश्नः और एक–दूसरे को पहचानने के बाद...
बाबाः और मजेदार बात। ☺
प्रश्नः और एक–दूसरे को पहचानने के बाद, उस समय उन दोनों का कौनसा काम चलेगा?
बाबाः ये मेन्टेलीटी हैं। (किसी ने कहा – बाबा को भूल जायेंगे।) धन्य हो। ☺
ओम् शान्ति।

Question: Will Baba tell [us] about that recognition or will we find them by ourselves?
Baba: He is getting worried a lot! ☺ He is not getting worried about the remembrance of Baba. He is getting worried about searching his partner at first. Now tell [me], those who are getting worried about it, are they *videshi* (foreigner) beads or *swadeshi* (Indian) beads? (Someone said: They are *videshi*.) The *videshi* children search their partner by themselves. And those who are *swadeshi* children of the Father, they make their parents the instrument [for this]. They don't worry about themselves.
Question: And after recognizing each other…
Baba: One more interesting thing. ☺
Question: …and after recognizing each other, what will both of them do at that time?
Baba: This is the *mentality* [of the questioner]. (Someone said: They will forget Baba.) [Ironically:] Great!
Baba: Om Shanti.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info